10258 , SOLUTON , DSSSB (Nursery teacher's)

Ques 1. ANS (B) Solution:
गुरू तेगबहादुर (1664-75 ई) सिक्खों के नौवे गुरू थे। इन्होंने औरंगजेब की धार्मिक नीतियों का मुखर विरोध किया, कश्मीर के गर्वनर के बर्बर कार्यवाही की आलोचना की तथा मुगलों के विरूद्ध करतारपुर का युद्ध लड़ा। 1675 ई में इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने के कारण औरंगजेब ने इनकी (वर्तमान शीशगंज) गुरूद्वारा के निकट हत्या करवा दी। इन्हीं की याद में दिल्ली में शीशगंज गुरूद्वारे का निर्माण किया गया है।

Ques 2. ANS (C) Solution:
ध्वनि तरंगे अनुदैध्य तरंगे होती हैं। इसकी उत्पत्ति वस्तुओं में कम्पन होने से होती है। ध्वनि तरंगे यांत्रिक तरंगे भी होती है। क्योंकि ये ठोस, द्रव तथा गैस तीनों में संचरित होती है। ध्वनि तरंगों में संचरण के लिए किसी न किसी माध्यम की (ठोस, द्रव, गैस) आवश्यकता होती है, जबकि विद्युत चुम्बकीय तरंगों में संचरण के लिए किसी भी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती है। अत: विद्युत चुम्बकीय गुण ध्वनि तरंगों का अभिलक्षण नहीं है।

Ques 3. ANS (B) Solution:
मार्च 2014 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय के अध्ययन में यह खुलासा हुआ था कि पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला में दबे कंकाल 1857 विद्रोह के शहीदों के हैं। यह खुलासा डा़ ज़े एस़ सहरावत की रिपोर्ट में हुआ। अंग्रेजों ने विद्रोह के दौरान 282 सैनिकों को अजनाला में मौत के घाट उतार दिया था जिनके कंकाल एक गुरूद्वारे में नीचे दबे कुएँ की खुदाई में प्राप्त हुए हैं। ये सभी सैनिक 26वीं मूल बंगाल ईफेंट्री बटालियन में थे। जो पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और अवध (वर्तमान का पूर्वी उ़ प्ऱ) से आये थे।

Ques 4. ANS (A) Solution:
बालि यात्रा समारोह मुख्यत: ओडिशा के कटक में मनाया जाता है। यह उत्सव ओडिशा के प्राचीन समुद्री इतिहास की स्मृति में कार्तिक पूर्णिमा (नवंम्बर) को मनाया जाता है। भारतीय महिलाएं इस उत्सव के दौरान 'बोइता वंदना' करती है।

Ques 5. ANS (B) Solution:
Ans. (b) विटामिन एक प्रकार के कार्बनिक यौगिक हैं इसका आविष्कार फंक ने 1911 ई. में किया था। इनमें कोई कैलोरी नही होती हैं। परन्तु ये शरीर में उपापचय की रासायनिक प्रतिक्रियाओं के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं। कुछ प्रमुख विटामिन और उनके रासायनिक नाम निम्नलिखित हैं।

विटामिन	**रासायनिक नाम**
विटामिन A	रेटिनॉल
विटामिन B_1	थायमीन
विटामिन B_2	राइबोफ्लेविन
विटामिन B_6	पाइरीडॉक्सिन
विटामिन C	एस्कॉर्बिक एसिड
विटामिन D	कैल्सिफेरॉल
विटामिन E	टोकोफेरॉल
विटामिन B_3	निमोटिनेमाइड/नियासिन
विटामिन B_{12}	साइनोकाबालामीन

Ques 6. ANS (A) Solution:
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली में स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना 21 अगस्त 1993 ई में की गई थी। भारत के प्रमुख कृषि अनुसंधान संस्थान – केन्द्रीय गन्ना अनुसंधान सस्थान – कोयम्बटूर राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र – रतलाम राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र – अजमेर भारतीय चीनी अनुसंधान संस्थान – कानपुर केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान –कटक भारतीय दलहन शोध संस्थान – कानपुर

Ques 7. ANS (A) Solution:
124वाँ संविधान संशोधन विधेयक 2019 को 103वां संविधान संशोधन के नाम से जाना जाता है इस संविधान संशोधन के द्वारा संविधान में दो नये अनुच्छेद 15(6) एवं 16 (6) को जोड़ा गया तथा इसके माध्यम से अनारक्षित वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों कों सरकारी नौकरियों और शिक्षा के क्षेत्र में 10%[3] आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

Ques 8. ANS (A) Solution:
बड़ा इमामबाड़ा लखनऊ में स्थित एक ऐतिहासिक स्मारक है इसका निर्माण 1784ई में अवध के नवाब आसफ-उद-दौला द्वारा करवाया गया था। इसे नवाब की कब्र के लिए असफी इमामबाड़ा और भ्रामक रास्तों के कारण भूल-भुलैया भी कहा जाता है। अजंता-एलोरा की गुफाएं – औरंगाबाद (महाराष्ट्र) गोलकुंडा किला – हैदराबाद (तेलंगाना)

Ques 9. ANS (B) Solution:
बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे इन्हे एशिया का ज्योति पुंज (Light of Asia) कहा जाता है। पाँचवी से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास बुद्ध के उपदेशों का संकलन त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्म पिटक) में किया गया था। बौद्ध धर्म के बारे में हमे वृहद ज्ञान त्रिपिटक से ही प्राप्त होता है। इसकी भाषा पाली है। बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा पाली में दिए।

Ques 10. ANS (A) Solution:
मालद्वीव अरबसागर (हिन्दमहासागर) में स्थित भारत का पड़ोसी द्वीपीय देश है। यह एक प्रवालद्वीप है। यह जनसंख्या और क्षेत्रफल दोनों ही प्रकार से एशिया का सबसे छोटा देश है इसकी राजधानी माले है।

Ques 11. ANS (D) Solution:
कलमकारी एक प्रकार का हाथ से पेंट या ब्लॉक-प्रिंटेड सूती कपड़ा है, जो इस्फहान और भारतीय राज्यों आध्रं प्रदेश के मसुलीपत्तनम और तेलंगाना में उत्पादित होता है। राज्य पारंपरिक चित्रकला महाराष्ट्र – वारली, पिंगुली चित्रकारी आन्ध्र प्रदेश –लेपाक्षी चित्रकला,कलमकारी, सवारा मणिपुर – खंबाना काओं फाबा पश्चिम बंगाल –डोकरा,कालीघाट चित्रकारी

Ques 12. ANS (C) Solution:
दिसम्बर 1947 तक प्राप्त जानकरी के अनुसार भारत का संविधान लिखने वाली संविधान सभा में बँटवारे के बाद 389 सदस्यों में 299 सदस्य ही रह गए थे। संविधान सभी की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर, 1946 को हुई थी। संविधान सभा की 13 दिसम्बर 1946 को हुई बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया। इसी बैठक में जवाहर लाल नेहरू द्वारा पेश किया गया ''उद्देश्य प्रस्ताव'' भारतीय संविधान की प्रस्तावना बना।

Ques 13. ANS (B) Solution:
स्टीरियोप्सिस आँख से जुड़ी एक विशेषता है। स्टीरियोस्कोपिक गहराई धारण के रूप में देखने और गहराई की धारणा बनाने की क्षमता है। यह दूरबीन के दृश्य कार्य का एक माप है अर्थात दोनों आंखें एक साथ कितनी अच्छी तरह कार्य करती है।

Ques 14. ANS (C) Solution:
इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन श्रीनगर में डल झील के किनारे जबरवान पहाडियों की चोटियों पर स्थित है। पहले इस उद्यान को 'सिराज बाग' के नाम से जाना जाता था। यह एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। वर्ष 2007 से यहाँ ट्यूलिप समारोह मनाया जाने लगा, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना था।

Ques 15. ANS (B) Solution:
पंचायत का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष आवश्यक है। ग्राम सभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। ग्राम सभा शब्द को भारत के संविधान में अनुच्छेद-243 (क) के तहत परिभाषित किया गया है।

Ques 16. ANS (D) Solution:

Ques 17. ANS (B) Solution:

Ques 18. ANS (D) Solution:

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 'भारत मंडपम' नामक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (IECC) परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। भव्य उद्घाटन समारोह में जी-20 सिक्का और टिकट भी जारी किया गया। उद्घाटन के दौरान, प्रधान मंत्री मोदी ने राष्ट्र में प्रगति और विकास को प्रेरित करने के लिए 'बड़ा सोचो, बड़ा सपना देखो, बड़ा काम करो' के दृष्टिकोण के पर जोर दिया।

Ques 19. ANS (C) Solution:

श्रीलंकाई मूल की ऑस्ट्रेलियाई लेखिका शंकरी चंद्रन को उपन्यास "चाय टाइम एट सिनामन गार्डन्स" के लिए 2023 में प्रतिष्ठित माइल्स फ्रैंकलिन साहित्यिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दस साल पहले, उन्हें अपनी पहली पुस्तक प्रकाशित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा, क्योंकि प्रकाशकों को स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई बाजार में इसकी अपील पर संदेह था, क्योंकि यह पर्याप्त "ऑस्ट्रेलियाई" नहीं थी।

Ques 20. ANS (B) Solution:

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 26 फरवरी 2023 को असम के कामरूप जिले के सोनापुर में पूर्वोत्तर भारत की पहली संपीड़ित बायोगैस संयंत्र परियोजना का उद्घाटन किया। इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता पांच टन प्रति दिन संपीड़ित बायोगैस होगी, जो कच्चे माल जैसे गोबर, नगर निगम के ठोस कचरे आदि से उत्पादित की जाएगी।

Ques 21. ANS (C) Solution:

'मुद्रास्फीति' का जो संबंध 'अपस्फीति' से है। वही संबंध 'त्वरित' का 'मंदी' से है।

Ques 22. ANS (A) Solution:

Ans. (a) जिस प्रकार, उसी प्रकार

A $\xrightarrow{+1}$ B
L $\xrightarrow{+1}$ M
M $\xrightarrow{+1}$ N
O $\xrightarrow{+1}$ P
N $\xrightarrow{+1}$ O
D $\xrightarrow{+1}$ E

M $\xrightarrow{+1}$ N
E $\xrightarrow{+1}$ F
N $\xrightarrow{+1}$ O
T $\xrightarrow{+1}$ U
A $\xrightarrow{+1}$ B
L $\xrightarrow{+1}$ M

अतः 'MENTAL' को कूटभाषा में 'NFOUBM' लिखा जाएगा।

Ques 23. ANS (A) Solution:

Ans. (d) एक पासे की 3 विभिन्न आकृतियों में से पहले और दूसरे पासें की आकृति लेने पर तथा पासा आकृति दूसरी व तीसरी लेने पर विपरीत क्रम –

1 □ □ 6

4 □ □ 3

5 □ □ 2

विशेष ⇒ पासे की विपरीत सतह कभी भी संलग्न भुजा पर नहीं हो सकती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Ques 24. ANS (A) Solution:

Ans. (a) दी गयी शृंखला निम्नवत् हैं–

अतः ? = 20

Ques 25. ANS (D) Solution:

Ans. (d)

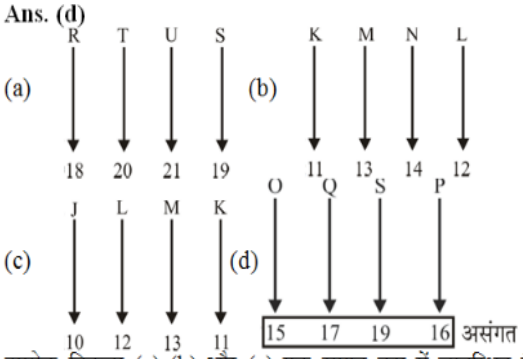

उपरोक्त विकल्प (a) (b) और (c) एक समान क्रम में व्यवस्थित है तथा विकल्प (d) सबसे अलग है अतः विकल्प (d) सही होगा।

Ques 26. ANS (D) Solution:

Ans. (d) छह लड़कियाँ P, Q, R, S, T और U दो पंक्तियों में उत्तर दिशा की तरफ मुँह करके बैठी है।

प्रश्नानुसार,

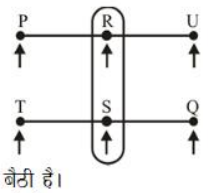

R के ठीक पीछे S बैठी है।

अतः विकल्प (d) सही है।

Ques 27. ANS (C) Solution:

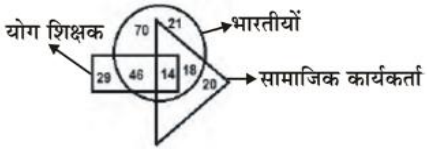

अतः 18 व्यक्ति भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

Ques 28. ANS (A) Solution:

दी गयी आकृति के दाये तरफ दर्पण को रखने पर विकल्प (a) की आकृति सही प्रतिबिम्ब बनाएगी।

If the mirror is placed on the right side of the given figure, the figure in option (a) will form a correct image.

Ques 29. ANS (B) Solution:

Ans. (b) जिस प्रकार,

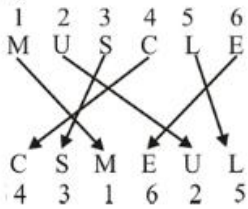

उसी प्रकार,

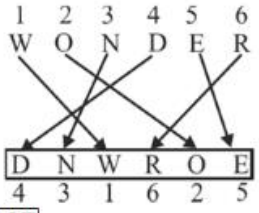

अतः ? = DNWROE

Ques 30. ANS (B) Solution:

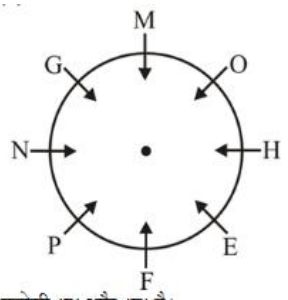

F के पड़ोसी 'P' और 'E' है।
अतः विकल्प (b) सही है।

Ques 31. ANS (A) Solution:

सभी विकल्प को देखने से यह स्पष्ट है कि विकल्प (a) का आकृति श्रृंखला में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) के स्थान पर आयेगी। अत: विकल्प (a) सही है।

Looking at all the options, it is clear that the figure of option (a) will come in place of the question mark (?) in the series. Hence option (a) is correct.

Ques 32. ANS (B) Solution:

Ans. (b) :

जिस प्रकार,

$$23 \times 13 = 299$$

उसी प्रकार,

$$24 \times 13 = 312$$

अतः विकल्प (b) सही है।

Ques 33. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : प्रश्नानुसार,

कागज को खोलने पर-

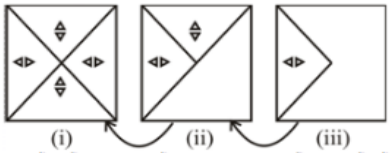

अतः कागज को मोड़कर, मुड़े हुए कागज को काटने के बाद खोलने पर आकृति विकल्प (a) जैसी दिखाई देगी।

Ques 34. ANS (C) Solution:

Ans. (c) : दिया है–

$` \rightarrow +$

$@ \rightarrow -$

$\# \rightarrow \times$

$\$ \rightarrow \div$

प्रश्नानुसार,

$46 ` 23 \# 21 \$ 3 @ 17$

$46 + 23 \times 21 \div 3 - 17$

{प्रश्नानुसार चिन्ह को परिवर्तन करने पर-}

$= 46 + 23 \times 7 - 17$

$= 46 + 161 - 17$

$= 207 - 17$

$= 190$

Ques 35. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : प्रश्नानुसार , सभी को गोल मेज पर केंद्र की ओर मुह करके बैठाने पर –

अतः निधि और साहिल के बीच में 'पवन' बैठा है।

Ques 36. ANS (B) Solution:

दिए गए शब्दों को क्रम में लिखने पर- (4) Sealed, (1) Season, (2) Seating, (5) Seize, (3) Sense अत: विकल्प (b) सही है।

On writing the given words in the order - (4) Sealed, (1) Season, (2) Sitting, (5) Seize, (3) Sense, hence option (b) is correct.

Ques 37. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : प्रश्नानुसार,

D $\xrightarrow{+3}$ G $\xrightarrow{+3}$ J $\xrightarrow{+3}$ M $\xrightarrow{+3}$ P

N $\xrightarrow{+3}$ Q $\xrightarrow{+3}$ T $\xrightarrow{+3}$ W $\xrightarrow{+3}$ Z

K $\xrightarrow{+3}$ N $\xrightarrow{+3}$ Q $\xrightarrow{+3}$ T $\xrightarrow{+3}$ W

B $\xrightarrow{+3}$ E $\xrightarrow{+3}$ H $\xrightarrow{+3}$ K $\xrightarrow{+3}$ N

अतः प्रश्न चिन्ह के स्थान पर PZWN आयेगा।

Ques 38. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : प्रश्नानुसार आरेख-

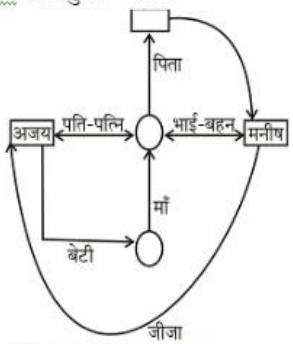

अतः अजय 'मनीष' का जीजा है।

Ques 39. ANS (C) Solution:

Ans. (c) : जिस प्रकार,

L $\xrightarrow{+5}$ Q

G $\xrightarrow{+1}$ H

S $\xrightarrow{+5}$ X

उसी प्रकार,

N $\xrightarrow{+5}$ S

D $\xrightarrow{+1}$ E

P $\xrightarrow{+5}$ U

अतः प्रश्न चिन्ह के स्थान पर 'SEU' आयेगा।

Ques 40. ANS (A) Solution:

Ans. (a) :

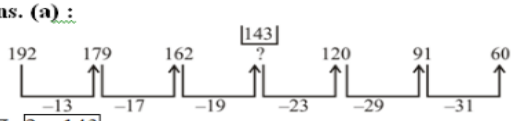

अतः ? = 143

नोट- क्रमशः अभाज्य संख्या घटाया गया है।

Ques 41. ANS (C) Solution:

शहर की n वर्ष बाद जनसंख्या,

$$= \text{वर्तमान जनसंख्या}\left(1+\frac{r}{100}\right)^n$$

जहाँ पर, $n = 3$वर्ष, एवं $r = 3\%$

अतः 3वर्ष बाद जनसंख्या $= 30,00,000\left(1+\frac{3}{100}\right)^3$

$$= 30,00,000 \times \frac{103\times103\times103}{100\times100\times100}$$

$$= 3 \times 103 \times 103 \times 103 = 3278181$$

Ques 42. ANS (D) Solution:

एक कप सेट का क्र. मू. = `575

वि. मू. = ` 506

हानि = क्र. मू. – वि. मू.

= 575 – 506

हानि = ` 69

$$\text{हानि\%} = \frac{\text{हानि}}{\text{क्र. मू.}} \times 100$$

$$= \frac{69}{575} \times 100$$

$= 12\%$

Ques 43. ANS (C) Solution:

10%, 20% की दो क्रमिक छूट के बदले समतुल्य छूट

$$= -10 - 20 + \frac{-10 \times -20}{100}$$

$$-30 + 2 = -28\%$$

पुन: 5% छूट के बाद मिलने वाली कुल छूट

$$-28 - 5 + \frac{-28 \times -5}{100}$$

$$-33 + 1.4 = -31.6\%$$

अत: 31.6% की छूट मिलेगी।

Ques 44. ANS (B) Solution:

$\frac{A}{B} = \frac{5}{8}$ तथा $\frac{B}{C} = \frac{18}{25}$ हो,

तो $\frac{A}{C} = \left(\frac{A}{B} \times \frac{B}{C}\right)$

$$= \left(\frac{5}{8} \times \frac{18}{25}\right) = \frac{90}{200}$$

अत: $A : C = 9 : 20$

Ques 45. ANS (D) Solution:

किसी व्यापार में A, C_A पूजी t_A समय के लिए B, C_B पूजी t_B समय के लिए C, C_C पूँजी t_C समय के लिए लगाता है तब लाभ का अनुपात

$P_A : P_B : P_C = C_At_A : C_Bt_B : C_Ct_C$

$20 : 18 : 21 = 50000 \times 12 : 60000 \times (12-x) : 70000 \times (12-x)$

$20 : 18 : 21 = 60 : 6(12-x) : 7(12-x)$

$$\frac{20}{18} = \frac{60}{6(12-x)}$$

$x = 3$

Ques 46. ANS (C) Solution:

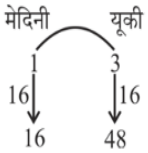

दोनों का कार्य $= \frac{1}{16} + \frac{1}{48}$

$$= \frac{3+1}{48} = \frac{4}{48} = \frac{1}{12}$$

दोनों को पूरा करने में लगा समय = 12

अत: आधा काम करने में लगा समय $= \frac{12}{2} = 6$ दिन

Ques 47. ANS (C) Solution:

प्रश्नानुसार–

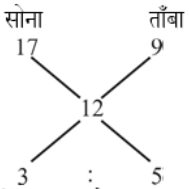

3 : 5 के अनुपात में मिलाना होगा।

Ques 48. ANS (D) Solution:

पाइप J द्वारा 1 मिनट का भराव कार्य = $\frac{1}{15}$ भाग

K द्वारा 1 मिनट का भराव कार्य = $\frac{1}{20}$ भाग

पाइप J तथा K द्वारा 1 मिनट में भरा गया भाग = $\frac{1}{15} + \frac{1}{20}$

$$= \frac{4+3}{60} = \frac{7}{60} \text{ भाग}$$

पूरी टैंक को भरने में लगा समय = $\frac{60}{7} = 8\frac{4}{7}$ मिनट

Ques 49. ANS (C) Solution:

2 साल 3 महीना $= 2 + \frac{3}{12}$

$$= \frac{9}{4} \text{ वर्ष}$$

अत: सा. ब्याज $= \frac{\text{मूलधन} \times \text{दर} \times \text{समय}}{100}$

प्राप्त होने वाला ब्याज $= \frac{2500 \times 6 \times \frac{9}{4}}{100}$

$$= \frac{675}{2} = ` 337.50$$

Ques 50. ANS (B) Solution:

माना उधार ली गयी धनराशि = ` x

चक्रवृद्धि ब्याज = मिश्रधन – मूलधन

लाभ = चक्रवृद्धि ब्याज – साधारण ब्याज

प्रश्नानुसार, $x\left[\left(1+\frac{10}{100}\right)^3 - 1\right] - \left[\frac{x \times 9 \times 3}{100}\right] = 1952$

$$\Rightarrow x\left[\left(\frac{11}{10}\right)^3 - 1\right] - \left[\frac{x \times 9 \times 3}{100}\right] = 1952$$

$$\Rightarrow x\left[\frac{1331}{1000} - 1\right] - \left[\frac{x \times 9 \times 3}{100}\right] = 1952$$

$$\Rightarrow x\left[\frac{1331-1000}{1000}\right] - \left[\frac{x \times 9 \times 3}{100}\right] = 1952$$

$$\Rightarrow x\left[\frac{331}{1000}\right] - \frac{27x}{100} = 1952$$

$$\Rightarrow \frac{x(331-270)}{1000} = 1952$$

$$\Rightarrow \frac{x \times 61}{1000} = 1952$$

$$\Rightarrow x = 32 \times 1000 = ` 32000$$

Ques 51. ANS (B) Solution:

माना P तथा Q की छ: वर्ष पूर्व आयु 3x तथा 2x थी।

P तथा Q की वर्तमान आयु (3x+6) वर्ष तथा (2x+6) वर्ष

प्रश्नानुसार,

$$\frac{3x+10}{2x+10} = \frac{8}{7}$$

$21x + 70 = 16x + 80$

$5x = 10$

$x = 2$

P की वर्तमान आयु = (3x+6) = 3×2+6 = 12 वर्ष

Ques 52. ANS (A) Solution:

माना पहली, दूसरी और तीसरी संख्या क्रमशः x, yऔर z हैं तथा $x < y < z$

प्रश्नानुसार,

तीनों संख्या का योग $= 28 \times 3$

$x + y + z = 84$ ....(i)

$\because \frac{z-10+y+x+7}{3} = y$

$x + y + z - 3 = 3y$

$x + z - 2y = 3$ .....(ii)

$z - 10 - x - 7 = 20$

$z - x = 37$ .....(iii)

समी. (i), समी. (ii) और समी. (iii) से

$x + y + z = 84$

$z - 37 + \frac{2z-40}{2} + z = 84$

$2z - 74 + 2z - 40 + 2z = 168$

$6z = 168 + 114$

$6z = 282$

$z = 47$

Ques 53. ANS (D) Solution:

A को मिलने के बाद गंतव्य तक पहुँचने में लगा समय = 5 घंटे

B को मिलने के बाद गंतव्य तक पहुँचने में लगा समय = 6 घंटे

A की चाल = 55 किलो/घंटा

माना B की चाल = x km/hr

$\therefore \frac{S_B}{S_A} = \sqrt{\frac{t_A}{t_B}}$

$\frac{x}{55} = \sqrt{\frac{5}{6}}$

$x = 55 \times \sqrt{\frac{5}{6}}$

$x = 55 \times \sqrt{\frac{5\times6}{6\times6}}$

$x = \frac{55}{6} \times \sqrt{30}$

$x = \frac{55}{6}\sqrt{30}$ km/hr

Ques 54. ANS (D) Solution:

प्रश्न से,

चाल $= \frac{\text{दूरी}}{\text{समय}} = \frac{435}{2\frac{1}{2}}$ km/h

$= \frac{435\times2}{5} \times \frac{5}{18}$ m/s

$= \frac{435}{9} \Rightarrow 48.3$ m/s

अतः रेलगाड़ी की चाल = 48.3 m/s

Ques 55. ANS (C) Solution:

नदी के ऊपर की ओर खेने में गति $= \frac{60}{8} = 7.5$ km/hr

नदी के नीचे की ओर खेने में गति $= \frac{60}{5} = 12$ km/hr

स्थिर पानी में खेनेवाले कि गति $= \frac{12+7.5}{2} = 9.75$ km/hr

Ques 56. ANS (A) Solution:

माना आयत की लम्बाई = 4 cm और चौड़ाई = 2 cm

आयत का परिमाप $= 2(4+2) = 12$ cm

$\because$ समबाहु त्रिभुज का परिमाप $= 3 \times$ भुजा

$\because$ समबाहु त्रिभुज का परिमाप = आयत का परिमाप

$\therefore$ समबाहु त्रिभुज का परिमाप = 12 cm

$\therefore$ समबाहु त्रिभुज की भुजा = 4 cm

समबाहु त्रिभुज का क्षेत्रफल $= \frac{\sqrt{3}}{4}$ (भुजा)^2

$= \frac{\sqrt{3}}{4} \times (4)^2 = \frac{\sqrt{3}}{4} \times 16 = 4\sqrt{3}$ cm^2

Ques 57. ANS (D) Solution:

$\frac{\text{गुढ़ोत्तर श्रेणी के छः पदों का योग}}{\text{गुढ़ोत्तर श्रेणी के तीन पदों का योग}} = \frac{152}{125}$

$\frac{a+ar+ar^2+ar^3+ar^4+ar^5}{a+ar+ar^2} = \frac{152}{125}$

$\frac{a\left(1+r+r^2+r^3+r^4+r^5\right)}{a\left(1+r+r^2\right)} = \frac{152}{125}$

$1 + r^3 = \frac{152}{125}$

$r^3 = \frac{152}{125} - 1$

$r^3 = \frac{152-125}{125}$

$r^3 = \frac{27}{125}$

$r = \frac{3}{5}$

Ques 58. ANS (B) Solution:

ऐसे छात्रों की संख्या जो कि बॉस्केटबॉल खेलना पसंद करते है परन्तु टेनिस नही = 12 + 12 = 24

Number of students who like to play basketball but not tennis = 12 + 12 = 24

Ques 59. ANS (B) Solution:

$\sin\theta - \cos\theta = 0$ तो $\sin^4\theta + \cos^4\theta + \tan^4\theta$ का मान होगा–

$\sin\theta - \cos\theta = 0$

$\sin\theta = \cos\theta$

$\because$ $\theta = 45°$ पर $\sin\theta = \cos\theta$

$\theta = 45°$ रखने पर

$\sin^4\theta + \cos^4\theta + \tan^4\theta$

$= \sin^4(45°) + \cos^4(45°) + \tan^4(45°)$

$= \left(\frac{1}{\sqrt{2}}\right)^4 + \left(\frac{1}{\sqrt{2}}\right)^4 + (1)^4$

$= \frac{1}{4} + \frac{1}{4} + 1 = \frac{2}{4} + 1 = \frac{1}{2} + 1 = \frac{3}{2}$

Ques 60. ANS (B) Solution:

माना बिन्दु का निर्देशांक (x, y)

$$(x,y)=\frac{mx_2+nx_1}{m+n},\frac{my_2+ny_1}{m+n}$$ अन्तः विभाजन के सूत्र से,

$x_1=-5$ $x_2=7$ $x=?$

$y_1=5$ $y_2=-3$ $y=?$

$$(x,y)=\left(\frac{3\times7+1\times(-5)}{3+1},\ \frac{3\times(-3)+1\times5}{3+1}\right)$$

$$=\left(\frac{21-5}{4},\ \frac{-9+5}{4}\right)$$

$$=\left(\frac{16}{4},\frac{-4}{4}\right)$$

$$=(4,-1)$$

अतः बिन्दु का निर्देशांक (4,–1) है।

Ques 61. ANS (D) Solution: उपर्युक्त गद्यांश के रिक्त स्थान (1) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'सामाजिक' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा– श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते।

Ques 62. ANS (A) Solution: उपर्युक्त गद्यांश के रिक्त स्थान (2) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'समाज' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा– श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते है, जिस किसी अंश पर-चाहं हम व्यष्टि रूप में उसके अन्तर्गत न भी हों।

Ques 63. ANS (A) Solution: शब्द – एक शब्द जिसकी गहराई का पता न लग सके – अगाध जिसमें कोई बाधा या विघ्न न हो – अबाध जो साधा न जा सके – असाध्य जो कठिनाई से पचता हो – गरिष्ठ

Ques 64. ANS (C) Solution: शब्द – विलोम कटु – मधु करुण – निष्ठुर क्रूर – अक्रूर पटु – अपटु

Ques 65. ANS (D) Solution: मुहावरा – अर्थ हाथ पैर मारना – प्रयत्न करना आग बोना – झगड़ा लगाना तिलका ताड़ करना – छोटी बात को बड़ी बनाना आठ-आठ आँसू रोना – विलाप करना

Ques 66. ANS (B) Solution: शब्द – विलोम आरोह – अवरोह विरह – मिलन न्यून – अधिक निन्दा – स्तुति

Ques 67. ANS (B) Solution: दिये गये विकल्पों में 'ऐतिहासिक' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य सभी विकल्प अशुद्ध है।

Ques 68. ANS (C) Solution: मुहावरा – अर्थ नाक–भौं सिकोड़ना – घृणा करना सीधे मुँह बात न करना – घमंड करना पगड़ी रखना – इज्जत बचाना उँगली उठाना – इशारा करना

Ques 69. ANS (B) Solution: दिये गये वाक्य 'मेरे पिता ने प्रधानाचार्य को पत्र लिखे' में 'पत्र लिखे' वाले भाग में क्रिया संबंधी अशुद्धि है। यहाँ कर्ता के अनुसार क्रिया होनी चाहिए। अतः शुद्ध वाक्य होगा– मेरे पिता ने प्रधानाचार्य को पत्र लिखा।

Ques 70. ANS (A) Solution: दिये गये वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त शब्द 'की' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा– मैंने एक वर्ष तक उनकी प्रतीक्षा की।

Ques 71. ANS (A) Solution: वाक्यांश एक शब्द जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो - कृत्रिम जो प्रकृति संबंधी हो या प्रकृति का - प्राकृतिक जिसकी उत्पत्ति अंडे से हुई हो - अंडज जो किसी वंश में बराबर होता आया हो और आगे भी संभावा हो - अनुवांशिक

Ques 72. ANS (B) Solution: वाक्यांश एकशब्द जो देखा न जा सके अदृश्य जो ज्ञात न हो अज्ञात जो दबाया न जा सके अदम्य बिना पलक गिराए अनिमेष

Ques 73. ANS (C) Solution: शब्द समूह एक शब्द वह थोड़ा ही भोजन करता है - अल्पाहारी फल खाकर रहने वाला - फलाहारी मांस का आहार करने वाला - मांसाहारी जिसमें मांस न मिला हो खाने वाला - शाकाहारी

Ques 74. ANS (A) Solution: दिए गए वाक्य 'वह बेचारा जन्म से अंधा है। में रेखांकित खंड के स्थान पर उपयुक्त शब्द जन्मांध होगा। अतः पूर्ण प्रतिस्थापित शुद्ध वाक्य होगा– वह बेचारा जन्मांध है।

Ques 75. ANS (B) Solution: दिए गए वाक्य 'सोहन की बहन धीरे-धीरे पुस्तक पढ़ती है। में कोई त्रुटि नहीं हैं।

Ques 76. ANS (B) Solution: बिजली का समानार्थी शब्द:–सौदामिनी, घनप्रिया, इन्द्रबज्र, चंचला, चपला इत्यादि। 'तरणी' नाव का समानार्थी शब्द है।

Ques 77. ANS (B) Solution: शब्द विलोम श्वेत श्याम उग्र सौम्य

Ques 78. ANS (B) Solution: रिक्त स्थान को भरने के लिए सबसे उपयुक्त शब्द 'परवाह' होगा। अत: पूर्ण वाक्य होगा– महेश को स्वयं पर भरोसा है, वह किसी की परवाह नहीं करता।

Ques 79. ANS (C) Solution: 'पानी का बताशा होना' मुहावरा का अर्थ-क्षण भंगुर होना।

Ques 80. ANS (D) Solution: वाक्यांश एक शब्द वह बात जो जनसाधारण में चलती आ रही है। किंवदंती

Ques 81. ANS (C) Solution: उपरोक्त passage के भाव के अनुसार रिक्त स्थान (1) में ahead (आगे) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। Correct sentence – ..... and trying to be one step ahead of others'

Ques 82. ANS (C) Solution: उपरोक्त passage के भाव के अनुसार रिक्त स्थान (2) में Break (विराम) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। Correct sentence– ..... Take a break .....

Ques 83. ANS (B) Solution: उपरोक्त वाक्य में return home के स्थान पर returned home का प्रयोग होगा क्योंकि drank से स्पष्ट है कि वाक्य की पहली clause Past में है। अत: उसी के अनुसार second clause प्रयुक्त होगी।

Ques 84. ANS (C) Solution: उपरोक्त idiom, games is up के लिए विकल्प (c) Deception is at end उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है।

Ques 85. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग as well as के स्थान पर But also का प्रयोग होगा क्योंकि Not only – But also co relative conjuctionहै इनका प्रयोग एक साथ होता है। Correct sentence – Reading not only helps to pass the leisure hours But also keeps you well informed.

Ques 86. ANS (A) Solution: Never– कभी नही, Antonym, always – हमेशा अन्य विकल्पों के अर्थ– Rarely – शायद ही कभी Sometimes – कभी–कभी Seldom – कभी–कभार

Ques 87. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के रिक्त स्थान में Appearance (उपस्थिति) का प्रयोग उपयुक्त होगा क्योंकि वाक्य के भाव के अनुसार उपयुक्त अर्थ देता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। Apportion – भाग करना Apparition – भूत - प्रेत Apprehension – शंका/डर

Ques 88. ANS (D) Solution: उपरोक्त विकल्पों में से विकल्प (d) begining की वर्तनी अशुद्ध है अत: इसकी शुद्ध वर्तनी beginning (शुरूआत करना) होगी। अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध है। Buying – खरीदना Bouncing – उछालना Boxing – मुक्केबाजी

Ques 89. ANS (D) Solution: उपरोक्त वाक्य में whether (दोनो में से कौन सा) के स्थान पर if (यदि) का प्रयोग उपयुक्त होगा क्योंकि वाक्य के भाव के अनुसार उपयुक्त अर्थ देता है। Correct sentence – Do you mind if I use your telephone.

Ques 90. ANS (A) Solution: Retreat – पीछे हटना, Antonym – advance – अग्रिम अन्य विकल्पों के अर्थ– Push – धकेलना Promote – बढ़ावा देना Strengthen – मजबूत बनाना

Ques 91. ANS (A) Solution:
No substitution required

Ques 92. ANS (B) Solution: उपरोक्त Group of words 'Life history of a person written by someone else' के लिए one word विकल्प (b) biography (जीवनी) उपयुक्त होगा। अन्य विकल्पों के अर्थ–

Autobiography – आत्मकथा Biodata – जीवनवृत्तांत Resume – सक्षिप्त विवरण

Ques 93. ANS (D) Solution: Retrieve – पुन: प्राप्त करना, Synonym – Recover –ठीक होना। अन्य विकल्पों के अर्थ निम्न है– Remove – हटाना Retain – बनाये रखना Rescue – बचाव

Ques 94. ANS (B) Solution: उपरोक्त वाक्य में called as a vaccine के स्थान पर cal las vaccine का प्रयोग होगा क्योंकि वाक्य present tense है। Correct sentence – Millions of people have been protected from polio by a fluid call as vaccine.

Ques 95. ANS (D) Solution: Achieve – पूरा करना, Synonym – Accomplish – पूरा करना अन्य विकल्पों के अर्थ– Accuse – आरोप Adjoin – जुड़ा होना Abduct – अपहरण करना

Ques 96. ANS (D) Solution: उपरोक्त group of words 'A person who physically attacks another के लिए one word विकल्प (d) assailant (आक्रमणकारी) उपयुक्त होगा अन्य विकल्प के अर्थ– Convict – अपराधी घोषित करना Culprit – अपराधी Scoundrel – बदमाश

Ques 97. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग Training के स्थान पर plundering (लूटना) का प्रयोग होगा क्योंकि वाक्य के भाव के अनुसार उपयुक्त अर्थ देता है। अन्य विकल्पों के अर्थ– Disillusioning – मायूस कर देना Distilling– शुद्ध करना Mischallenging – गलत चुनौती Correct sentence – 'Angulimala' lived by plundering travellers and feared no one.

Ques 98. ANS (C) Solution: उपरोक्त group of words 'one who has fixed opinions and beliefs'' के लिए one word विकल्प Rigid (Âì उपयुक्त होगा– अन्य विकल्प के अर्थ– Broad – minded – व्यापक विचार वाला Flexible – लचीला Amiable – सुशील

Ques 99. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के भाव के अनुसार रिक्त स्थान में Invited (आमंत्रित) करना का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। Correct sentence – candidates who successfully complete the entrance test will be invited for an interview next week.

Ques 100. ANS (A) Solution: उपरोक्त idiom 'Drag one's feet के लिए विकल्प (a) do something deliberately at a slow pace उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है।

Ques 101. ANS (C) Solution:

Ques 102. ANS (A) Solution:

Ques 103. ANS (D) Solution:

Ques 104. ANS (B) Solution:

Ques 105. ANS (A) Solution:

Ques 106. ANS (C) Solution:

Ques 107. ANS (D) Solution:

Ques 108. ANS (A) Solution:

Ques 109. ANS (C) Solution:

Ques 110. ANS (A) Solution:

Ques 111. ANS (C) Solution:

Ques 112. ANS (B) Solution:

Ques 113. ANS (B) Solution:

Ques 114. ANS (A) Solution:

Ques 115. ANS (A) Solution:

Ques 116. ANS (D) Solution:

Ques 117. ANS (D) Solution:

Ques 118. ANS (C) Solution:

Ques 119. ANS (A) Solution:

Ques 120. ANS (A) Solution:

Ques 121. ANS (C) Solution:

लक्ष्य प्राप्त करने के बाद व्यक्ति कभी नहीं रुकता। यह एक ऐसा चक्र है जो जीवन भर चलता रहता है, इसलिए इसे अभिप्रेरक चक्र कहा जाता है। 'अभिप्रेरक चक्र' की अवस्था में चार चरण शामिल हैं:

आवश्यकता: आवश्यकता अनिवार्यता की कमी है। एक अंतर्निहित आवश्यकता के कारण एक कार्रवाई शुरू हो जाती है।

अंतर्नोद: यह एक लक्ष्य की उपलब्धि में दूसरा चरण है। यह एक जीव को अपने लक्ष्य की ओर प्रेरित करने के लिए एक सतत प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। यह उच्च तनाव की स्थिति है जो व्यवहार के लिए अग्रणी है। इसकी एक दिशा और वैधता है।

प्रोत्साहन: कार्यों से सकारात्मक परिणाम एक व्यक्ति को एक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करते हैं। यह पर्यावरण की वस्तु है जो व्यवहार को सक्रिय, निर्देशित और बनाए रखता है।

लक्ष्य: वे सकारात्मक या नकारात्मक हो सकते हैं। सकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिन्हें व्यक्ति प्राप्त करने की कोशिश करता है, जैसे कि संबंध, भोजन, सफलता इत्यादि। नकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिनसे व्यक्ति बचने या भागने की कोशिश करता है, जैसे कि शर्मनाक स्थिति, अपमान, दंड आदि।

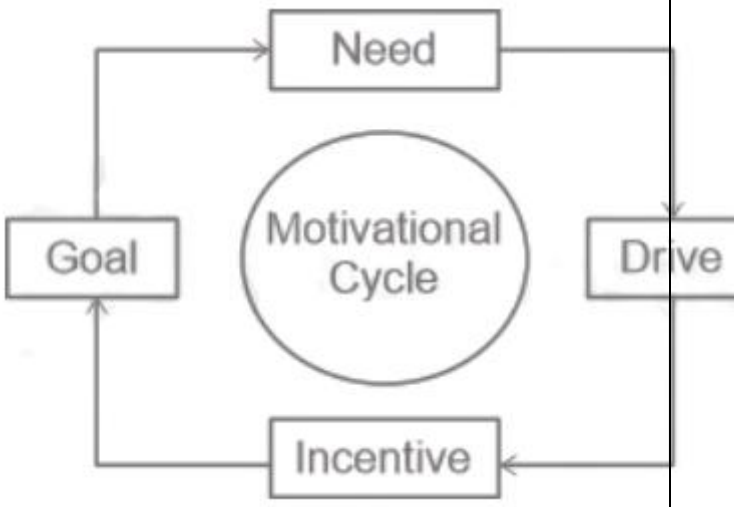

A person never stops after achieving a goal. It is a cycle that continues throughout life, hence, called the Motivational Cycle.

The Motivation Cycle is comprised of four stages:

Need: A need is a lack of necessity. An action gets initiated because of an underlying need.

Drive: It is the second step in the achievement of a goal. It acts as a persistent stimulus to push an organism towards its goal. It is the state of heightened tension leading to the behavior. It has a direction and valence.

Incentive: Positive outcomes from actions act as an incentive in motivating a person towards achieving a goal. It is the object of the environment that activates, directs and maintains behaviour.

Goals: They can be either positive or negative. Positive goals are the ones that a person tries to attain, such as relationships, food, success, etc. Negative goals are the ones that a person tries to avoid or escape from, such as embarrassing situations, insults, punishments, etc.

Ques 122. ANS (B) Solution:

प्रतिभाशाली बच्चे उन बच्चों को संदर्भित करते हैं जो अपने सहकर्मी समूह के अन्य लोगों की तुलना में असाधारण रूप से कार्य करते हैं। वे अपने निर्णयों में स्वतंत्र होते हैं क्योंकि उनके पास उन्नत तार्किक और रचनात्मक

सोच है।
प्रतिभाशाली बच्चे असाधारण रूप से जिज्ञासु होते हैं और अपनी स्वयं की जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। वे आंतरिक रूप से उच्च आत्म-सम्मान से प्रेरित होते हैं।
प्रतिभाशाली बच्चों के 'I.Q.' की सही सीमा जानने के लिए IQ तालिका देखें:

सीमा	वर्णनात्मक वर्गीकरण
0-25	बहुत अधिक मंदबुद्धि, बुद्धिहीन
26-50	गंभीर रूप से मंदबुद्धि, जड़ बुद्धि
41-55	मंद
56-70	हल्के असामान्य, हल्का मंदबुद्धि, कमज दिमाग वाला
71-85	धीमी गति से सीखने वाला, मंदता की सी रेखा पर, मूर्ख
86-115	सामान्य, औसत
116-130	तीव्रबुद्धि
131-145	प्रतिभाशाली
146 से अधिक	प्रतिभावान

Gifted children refer to the children who perform tasks extraordinarily when compared with others of their peer group. They are independent in their judgments as they possess advanced logical and creative thinking.
Gifted children are exceptionally curious and have a thirst for knowledge in order to satisfy their own curiosity. They are intrinsically motivated with high self-esteem.
Refer to the IQ table to know the correct range of 'I.Q.' of the gifted children:

Range	Descriptive classification
0-25	Profoundly retarded, idiot
26-50	Severely retarded, imbecile
41-55	Retarded
56-70	Mildly subnormal, mildly retarded, feeble-minded
71-85	Slow learner, borderline, moron
86-115	Normal, average
116-130	Bright
131-145	**Gifted**
146 above	Genius

Ques 123. ANS (C) Solution:
अव्यक्त अधिगम की अवधारणा टॉलमेन द्वारा दी गई थी।
अव्यक्त अधिगम का सिद्धांत चूहों पर किये गए उनके प्रयोगों पर आधारित है।
उन्होंने प्रस्तावित किया कि व्यक्ति पर्यावरण से संकेत प्राप्त करते हैं और फिर उन संकेतों का उपयोग बौद्धिक छवि या संज्ञानात्मक मानचित्र बनाने के लिए करते हैं।
इन संज्ञानात्मक मानचित्रों का उपयोग करके, व्यक्ति पर्यावरणीय स्थितियों और उपयुक्त प्रतिक्रियाओं में बदलाव करके लक्ष्य तक पहुँचते हैं।
The concept of latent learning was given by Tolman.
His theory of latent learning is based on his experiments with rats.
He proposed that individuals get cues from the environment and then use those cues to build a mental image or a cognitive map.
By using these cognitive maps, individuals reach the goal by manipulating the environmental situations and the suitable responses.
Ques 124. ANS (A) Solution:
व्यक्तित्व:
स्व और व्यक्तित्व उन विशिष्ट तरीकों का उल्लेख करते हैं जिनसे हम अपने अस्तित्व को परिभाषित करते हैं।
व्यक्तित्व का शाब्दिक अर्थ लैटिन शब्द परसोना से लिया गया है, रोमन थिएटर में अभिनेताओं द्वारा अपने चेहरे के मेकअप को बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मुखौटा।
व्यक्तित्व व्यक्तियों और स्थितियों पर प्रतिक्रिया करने के हमारे विशिष्ट तरीकों को संदर्भित करता है।
व्यक्तियों के बीच व्यवहार संबंधी मतभेदों और एक व्यक्ति के भीतर व्यवहार संबंधी स्थिरताओं को समझने और समझाने के लिए कई दृष्टिकोण और सिद्धांत विकसित किए गए हैं।
स्पष्टीकरण:
क्रेश्चमर एक जर्मन मनोचिकित्सक थे जिन्होंने रोगियों के अपने अवलोकन के आधार पर लोगों को चार प्रकारों में वर्गीकृत किया।

उन्होंने इसके लिए शारीरिक बनावट और स्वभाव का इस्तेमाल किया।
उन्होंने जिन चार प्रकारों के बारे में बात की उनमें शामिल हैं:
(i) गोलाकाय प्रकार:
भारी शरीर के प्रकार वाले ऐसे लोग कद में छोटे होते हैं।
क्रेश्चमर ने उन्हें "साइक्लोइड्स" कहा क्योंकि उनके पास उन्मत्त-अवसादग्रस्तता प्रकार के मनोविकृति के शिकार होने की उच्च संभावना है।
(ii) दौर्वल्य काय प्रकार:
ऐसे व्यक्ति अविकसित मांसपेशियों के साथ लंबे और पतले होते हैं।
स्वभाव के अनुसार उन्हें "स्किज़ोइड" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमें सिज़ोफ्रेनिया का विकार विकसित हो सकता है।
(iii) सुडौल काय प्रकार:
ये पेशीय प्रकार के होते हैं और इनमें अच्छी तरह से निर्मित मांसपेशियाँ होती हैं और ये न तो लंबी होती हैं और न ही छोटी।
ये स्थिर और शांत स्वभाव के होते हैं और वातावरण में होने वाले परिवर्तनों के लिए स्वयं को समायोजित करने में सक्षम होते हैं।
(iv) कुगठित काय प्रकार:
इस श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जो ऊपर वर्णित किसी भी विशेषता का प्रदर्शन नहीं करते हैं, लेकिन तीनों प्रकार के मिश्रण हैं।
Personality:
Self and personality refer to the characteristic ways in which we define our existence.
The literal meaning of personality is derived from the Latin word persona, the mask used by actors in the Roman theatre for changing their facial make-up.
Personality refers to our characteristic ways of responding to individuals and situations.
A number of approaches and theories have been developed to understand and explain behavioral differences among individuals, and behavioral consistencies within an individual.
Explanation:
Kretschmer was a German psychiatrist who on the basis of his observation of patients classified people into four types.
He used the physical constitution and temperament for this purpose.
The four types he talked about included:
(i) Pyknik type:
Such people are short in height with heavily built body types.
Kretschmer called them “cycloids” as they have a high probability of falling prey to the manic-depressive type of psychopathology.
(ii)Asthenic type:
Such persons are tall and thin with underdeveloped muscles.
Temperament wise they are categorized as “schizoid” and may develop a disorder of schizophrenia.
(iii)Athletic type:
These are muscular types and have well-built muscles and are neither tall nor short.
They have stable and calm nature and are able to adjust themselves to changes in the environment.
(iv) Dysplastic type:
This category includes people who do not exhibit any of the characteristics mentioned above but are a mix of all three types.
Ques 125. ANS (D) Solution:
विलियम जैम्स:
प्रकार्यवाद की स्थापना विलियम जैम्स ने अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में की थी।
विलियम जैम्स एक अमेरिकी दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने एक चिकित्सक के रूप में भी प्रशिक्षण लिया था।
विलियम जैम्स ने मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए "प्रिंसिपल ऑफ़ साइकोलोजी" नामक पुस्तक लिखी।
जॉन डिवी:
जॉन डिवी आधुनिक युग के महान दार्शनिक, शिक्षाविद और विचारक हैं।
प्रकार्यवाद के लिए एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक बिंदु जॉन डिवी के लेख द रिफ्लेक्स आर्क कॉन्सेप्ट इन साइकोलॉजी इन साइकोलॉजिकल रिव्यू (1896) का प्रकाशन था।
जैम्स आर. एंजिल:
उन्होंने प्रकार्यवाद की स्पष्ट व्याख्या की है।
जैम्स आर. एंजिल ने दो विरोधी शक्तियों के रूप में संरचनावाद और प्रकार्यवाद की समीक्षा की।
उनके अनुसार जहां संरचनावाद का संबंध 'तत्व' या 'वस्तु' से है, वहीं क्रियावाद का संबंध 'प्रक्रिया' से है।
William James:
Functionalism was founded by William James at Harvard University in America.
William James was an American philosopher and psychologist who also trained as a physician.
William James wrote a book for the study of psychology called "Principal of Psychology".
John Dewey:
John Dewey is a great philosopher, educationis,t and thinker of the modern era.
A critical starting point for functionalism was the publication of John Dewey’s article The Reflex Arc Concept in Psychology in Psychological Review (1896).
James Ronald Angel
He has given a clear explanation of functionalism.
James Rowland Angell advocated structuralism and functionalism as two opposing forces.
According to him, where structuralism is related to 'element' or 'object', functionalism is related to 'process'.
Ques 126. ANS (D) Solution:
इसकी खोज रूसी शरीर विज्ञानी इवान पावलोव ने की थी।
इसमें तटस्थ उद्दीपन को स्वाभाविक उद्दीपक के साथ जोड़ना शामिल है।
यह स्वाभाविक अनुक्रिया को उत्प्रेरित करता है जैसे कि एक तटस्थ उद्दीपक एक अनुकूलित उद्दीपक बन जाएगा जो मूल स्वाभाविक अनुक्रिया के समान एक स्वाभाविक अनुक्रिया को उत्प्रेरित करेगा।
स्वाभाविक उद्दीपक (UCS) एक जीव में स्वाभाविक अनुक्रिया (UCR) उत्पन्न करता है।
एक उद्दीपक जो कोई अनुक्रिया उत्पन्न नहीं करता है (अर्थात, तटस्थ) स्वाभाविक उद्दीपक से जुड़ा होता है, जिस बिंदु पर इसे अब अनुबंधित उद्दीपक के रूप में जाना जाता है।
अनुबंधन के बाद एक नई अनुबंधित अनुक्रिया (CR) बनाने के लिए अनुबंधित उद्दीपक (CS) को स्वाभाविक उद्दीपक (UCS) के साथ जोड़ा जाता है।
It was discovered by Ivan Pavlov, a Russian physiologist.
It involves pairing a neutral stimulus with an unconditioned stimulus.
It triggers an unconditioned response such that a neutral stimulus will become a conditioned stimulus triggering a conditioned response similar to the original unconditioned

response.
The unconditioned stimulus (UCS) produces an unconditioned response (UCR) in an organism.
A stimulus that produces no response (i.e., neutral) is associated with the unconditioned stimulus at which point it now becomes known as the conditioned stimulus.
After Conditioning the conditioned stimulus (CS) has been associated with the unconditioned stimulus (UCS) to create a new conditioned response (CR).
Ques 127. ANS (A) Solution:
व्यक्तित्व माप से तात्पर्य किसी व्यक्ति की विशेषताओं के माप से है।
व्यक्तिगत इतिहास व्यक्तित्व मापन की व्यक्तिपरक विधि है।
व्यक्तिपरक पद्धति का अर्थ है कि किस व्यक्ति को यह प्रकट करने की अनुमति है कि वह अपने बारे में क्या जानता है।
इसमें लक्षण, दृष्टिकोण, व्यक्तिगत अनुभव, लक्ष्य, आवश्यकताएं और रुचियां शामिल हैं।
व्यक्तिपरक पद्धति में व्यक्तिगत इतिहास, मामले का इतिहास, साक्षात्कार और प्रश्नावली शामिल हैं।
व्यक्तिगत इतिहास में किसी व्यक्ति के जीवन की घटनाएँ शामिल होती हैं जो उसके जीवन में घटित होती हैं।
उनके जीवन भर के इन अनुभवों में, उनके वर्तमान लक्ष्य हित और दृष्टिकोण शामिल हैं।
व्यक्ति को अपने लिए महत्वपूर्ण अनुभव चुनने की स्वतंत्रता है और ये उसके व्यक्तित्व को प्रकट करते हैं।
Personality measurement refers to the measurement of a person's characteristics. Personal history is the subjective method of personality measurement.
The subjective method means that which individual is permitted to disclose what he knows about himself.
It includes traits, attitudes, personal experiences, aims, needs, and interests.
The subjective method includes personal history, case history, interview, and the questionnaire.
Personal history includes the events of a person's life that occur in their life.
In these experiences throughout his life, his present aims interests, and attitudes are included.
The individual has freedom in selecting experiences that are important to him and these reveal his personality.
Ques 128. ANS (C) Solution:
विकास के महत्वपूर्ण स्वरूप:
वृद्धि और विकास के दो सिद्धांत हैं या हम कह सकते हैं कि बाल विकास दो दिशाओं एक सिर से पैर तक और दूसरा केंद्र से परिधि तक होता है।
शीर्षगामी विकास: यह प्रदर्शित करता है कि विकास अनुदैर्ध्य दिशा में अर्थात् सिर से पैर तक आगे बढ़ता है। यही कारण है कि एक बच्चा इससे पहले कि वह चलना शुरू कर दे, पहले सिर पर नियंत्रण प्राप्त करता है।
अधोगामी विकास: यह निकट से दूर तथा केंद्र से शरीर के कुछ दूर हिस्सों तक पहुंचता है और फिर पहले छोरों का विकास होता है। इसलिए, विकास के प्रथम चरणों में बच्चा छोटी मांसपेशियों या सूक्ष्म चालक कौशल के बजाय मौलिक मांसपेशियों को विकसित करना शुरू कर देता है।
Predictable Patterns of Development:
There are two principles of growth and development or we can say child development takes place in two directions, one is from the head-to-foot/toe direction and the second is from center to periphery.
The Cephalocaudal Development: It exhibits that the development proceeds in the longitudinal direction i.e. from head to toe. That is the reason why a child first gains control over the head before s/he starts walking.
The Proximodistal Development: It proceeds from near to the distant and from parts of the body near the center develop first then the extremities. Therefore, the child in the earlier stages of development starts developing the fundamental muscles rather than the smaller muscles or fine motor skills.
Ques 129. ANS (C) Solution:
सामाजिक संरचनावाद इस शोध प्रबंध पर आधारित है कि सामाजिक प्रक्रियाएं अधिगम और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित हैं। यह ज्ञान को एक सामाजिक निर्माण के रूप में मानता है और अधिगम और संज्ञानात्मक विकास के सामाजिक पहलुओं को प्राथमिकता देता है।
इनमें से कुछ सामाजिक पहलू भाषा, संस्कृति, दैनिक जीवन के कार्य, भौतिक वस्तुएं, पारस्परिक संपर्क, सहकर्मी संपर्क, उपकरण और प्रतीक हैं।
लचीला पाठ्यक्रम, लचीली समय सारिणी, आकलन का लचीला तरीका,बैठने की व्यवस्था में लचीलापन, अधिगमकर्ताओं का समूह में कार्य करना आदि एक सामाजिक-संरचनावादी कक्षा कक्ष की विशेषताएं हैं।
यह शिक्षार्थियों को नवीन ज्ञान और जानकारी प्राप्त करने में सहज महसूस कराने के लिए एक लोकतांत्रिक वातावरण प्रदान करने पर महत्व देता है।
सामाजिक-संरचनावादी कक्षा सहयोगात्मक अधिगम को महत्व देती है जो एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करती है जिसमें दो या दो से अधिक लोग एक समूह में एक साथ सीखते हैं या सीखने का प्रयास करते हैं।
उदाहरण के लिए, छात्रों को कक्षा में त्योहार मनाने के अपने अनुभवों पर चर्चा करने और उस पर जानकारी का गठन करने के अवसर देना
यह शिक्षण और अधिगम की एक विद्धि है जिसमें शिक्षार्थी और शिक्षक एक साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण प्रश्न का अन्वेषण करते हैं या एक सार्थक परियोजना बनाते हैं।
Social constructivism is founded on the thesis that social processes are central to learning and cognitive development.
It regards knowledge as a social construct and prioritizes the social aspects of learning and cognitive development.
Some of these social aspects are language, culture, everyday practices, material objects, interpersonal interaction, peer interaction, tools, and symbols.
Flexible curriculum, flexible timetables, flexible mode of assessments, flexible seating arrangement, learners working in groups, etc. are characteristics of a Socio-constructivist classroom.
It emphasizes providing students with a democratic environment to make them feel comfortable in acquiring new knowledge and information.
Socio-constructivist classroom lays emphasis on collaborative learning which refers to a situation in which two or more people learn or attempt to learn together in a group.
For example, Giving students the opportunity to discuss their experiences of celebrating festivals in the classroom and building upon that information.
It is a method of teaching and learning in which students and teachers team together to explore a significant question or create a meaningful project.
Ques 130. ANS (D) Solution:
There are five main cognitive processes:

Attention: Attention is focusing of consciousness on a particular object. The span of attention varies from individual to individual and depends on various factors.
Perception: Perception is a process of selecting, organizing, and interpreting sensory information based on previous experiences, others' experiences, need, or expectations.
Learning: It is a "relatively permanent change in behavior (or behavior potential) resulting from experience.
Memory: It refers to the ability to retain information and reproducing it over a period of time when required to perform a cognitive task.
Thinking: Thinking is a higher mental process. It is a problem-solving process in which we use ideas or symbols in place of overt activity.
पाँच मुख्य संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ निम्नलिखित हैं:
ध्यान: ध्यान किसी विशेष वस्तु पर चेतना का ध्यान केंद्रित करना है। ध्यान की अवधि अलग-अलग व्यक्तियों में भिन्न होती है और विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है।
धारणा: धारणा पिछले अनुभवों, दूसरों के अनुभवों, जरूरतों या अपेक्षाओं के आधार पर संवेदी जानकारी को चुनने, व्यवस्थित करने और व्याख्या करने की एक प्रक्रिया है।
अधिगम: यह "अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार (या व्यवहार क्षमता) में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है।
स्मृति: यह एक संज्ञानात्मक कार्य को करने के लिए आवश्यक समय की अवधि में जानकारी को बनाए रखने और इसे पुन: उत्पन्न करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
विचार (चिंतन): सोचना एक उच्च मानसिक प्रक्रिया है। यह एक समस्या-समाधान प्रक्रिया है जिसमें हम प्रत्यक्ष गतिविधि के स्थान पर विचारों या प्रतीकों का उपयोग करते हैं।
Ques 131. ANS (B) Solution:
शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत:
यह इवान पावलोव द्वारा प्रस्तावित किया गया था। शास्त्रीय अनुबंधन के अनुसार, हम विभिन्न उद्दीपकों के बीच संबंध और साहचर्य बनाकर सीखते हैं। शास्त्रीय अनुबंधन के दौरान, जीव विभिन्न उद्दीपकों के बीच संबंधों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं, न कि उनके बीच सरल जुड़ाव के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।
इस सिद्धांत में अधिगम के विषय हमेशा किसी प्रकार की स्वचालित, अनैच्छिक या प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रियाएं होती हैं जैसे हृदय गति, लार, उल्टी, छात्र प्रसार इत्यादि।
उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धांत
यह एडवर्ड थार्नडाइक द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जो मानते थे कि अधिगम दो चीजों उद्दीपक, और अनुक्रिया तक जाता है। यह एक सिद्धांत है जो प्रस्तावित करता है कि सभी अधिगम में मुख्य रूप से उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच संबंधों को मजबूत करना शामिल है।
उनके अनुसार, अधिगम उद्दीपक (लीवर की उपस्थिति) और अनुक्रिया (लीवर को दबाने) के बीच संबंध से होता है। मुख्य रूप से ये सिद्धांत बुद्धिमानी से बदलाव किए गए पुनर्बलन के साथ सीखने की सुविधा के लिए एक अनुकूल और सहायक वातावरण प्रदान करने पर जोर देते हैं।
क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत:
स्किनर ने उद्दीपक-अनुक्रिया संबंध और पुनर्बलन से संबंधित एक क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत का प्रचार किया। उनके विचार में, अधिगम व्यवहार में बदलाव है। जैसे-जैसे शिक्षार्थी सीखता है, बदले हुए व्यवहार के संदर्भ में उसकी प्रतिक्रियाएँ बढ़ती जाती हैं।
इसलिए, अधिगम औपचारिक रूप से उनके द्वारा प्रतिक्रिया की संभावना में बदलाव के रूप में परिभाषित किया गया है। क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत एक सीखने की शक्ति है जो प्रतिक्रिया के तुरंत बाद एक मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करके वांछित प्रतिक्रिया को अधिक बार प्रभावित करती है।
Classical Conditioning Theory:
It was proposed by Ivan Pavlov. According to classical conditioning, we learn by making associations and relationships among various stimuli. During classical conditioning, organisms acquire information about the relations between various stimuli, not simple associations between them.
The subjects of learning in this theory are always some kind of automatic, involuntary or reflexive responses such as heart rate, salivation, vomiting, pupil dilatation, etc.
Stimulus-Response Theory
It was proposed by Edward Thorndike, who believed that learning boils down to two things: stimulus, and response. It is a theory that proposes that all learning consists primarily of the strengthening of the relationship between the stimulus and the response.
According to him, learning is by the association between the stimulus (presence of the lever) and the response (pressing the lever). Mainly these theories emphasize providing a conducive and supporting environment to facilitate learning with intelligently manipulated reinforcements.
Operant Conditioning Theory:
Skinner propagated an operant conditioning theory related to the stimulus-response relationship and reinforcement. In his view, learning is a change in behavior. As the learner learns, his\her responses in terms of changed behavior increase.
Learning is, therefore, formally defined by him as a change in the likelihood or probability of a response. Operant conditioning is a learning force that affects the desired response more frequently by providing a reinforcing stimulus immediately following the response.
Ques 132. ANS (B) Solution:
सामान्य शिक्षार्थी वे छात्र हैं जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई देते हैं और सीखने की सामान्य प्रक्रिया में समायोजित होते हैं। इन बच्चों में औसत या औसत से ऊपर गुण होते हैं।
अधिगम अक्षमता एक विकासात्मक विकार है, जो बच्चों के स्कूल जाने पर स्पष्ट हो जाता है। अपनी औसत या उससे भी अधिक औसत बुद्धि और पर्याप्त स्कूली शिक्षा के बावजूद, ये बच्चे अपने शैक्षणिक कौशल में पिछड़ जाते हैं।
इन बच्चों को बुनियादी मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं, जैसे ध्यान, धारणा, स्मृति, तार्किक सोच, और इसी तरह की निगरानी में मूलभूत कठिनाइयाँ हैं। हालांकि, नैदानिक लेबलिंग से पहले, किसी को अन्य विकास संबंधी विकारों की संभावना को बाहर करना चाहिए जैसे कि मानसिक मंदता, अवधारणात्मक समस्याएं जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि, श्रवण या चालक अक्षमता, भावनात्मक विकार, मानसिक मंदता, वैश्विक विकास में देरी से हानि होती है; न ही यह पर्यावरणीय कारकों जैसे अभाव, दुर्व्यवहार, या खराब स्कूली शिक्षा, प्रेरणा की कमी, सांस्कृतिक या आर्थिक नुकसान और भाषाई विविधता के कारण होना चाहिए।
Normal learners are those students who appear physically and mentally healthy and adjust to the normal process of learning. These children have average or above-average qualities.

Learning disability is a developmental disorder which becomes conspicuous when children go to school. In spite of their average or even above-average intelligence and adequate schooling, these children lag behind in their academic skills.
These children have fundamental difficulties in the monitoring of basic psychological processes, such as attention, perception, memory, logical thinking, and so on. However, before giving diagnostic labeling, one must exclude the possibility of other developmental disorders such as mental retardation, perceptual problems resulting primarily from impairments in vision, hearing or motor disabilities, emotional disorders, mental retardation, global developmental delay; nor should it be due to environmental factors such as deprivation, abuse, or poor schooling, lack of motivation, cultural or economic disadvantage and linguistic diversity.
Ques 133. ANS (A) Solution:
जब एक शिक्षक एक बहु-संवेदी दृष्टिकोण को शामिल करके विषय सामग्री को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत करता है जिसमें दृश्य, श्रवण, गंध और स्पर्श शामिल होता है और उनकी रुचि और प्रेरणा का भी ध्यान रखता है तो यह कक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित सभी प्रकार के शिक्षार्थियों की मदद करता है। जिसके परिणामस्वरूप सबसे प्रभावी शिक्षण होता है।
प्रभावी निर्देशों को छात्रों के विविध समूह की विशेषताओं के साथ-साथ प्रत्येक छात्र की अनूठी ताकत और आवश्यकताओ के अनुरूप सटीक रूप से तैयार करने की आवश्यकता होती है।
When a teacher presents the subject content in different ways by involving a multi-sensory approach which includes visual, auditory, smell, and touch and also takes care of their interest and motivation it helps all types of learners including children with special
needs in the classroom resulting in the most effective teaching.
Effective instructions need to respond to the characteristics of a diverse group of students as well as be precisely tailored to the unique strengths and needs of each student.
Ques 134. ANS (A) Solution:
गोलेमैन के अनुसार 'दूसरों को समझने' का कौशल भावनात्मक बुद्धि के सामाजिक अनुबंध आयाम के अंतर्गत आता है।
गोलेमैन ने भावनात्मक बुद्धि को एक व्यक्ति की अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने और उन्हें स्वस्थ और उत्पादक तरीके से व्यक्त करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया।
गोलेमैन की राय में, कार्यस्थल में सफलता का सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता भावनात्मक बुद्धि है।
गोलेमैन इसे "अपने स्वयं के, अन्य लोगों और सामूहिक भावनाओं को पहचानने, मूल्यांकन करने और विनियमित करने की क्षमता" के रूप में वर्णित किया है।
गोलेमैन ने कर्मचारीयों के भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्तरों का मूल्यांकन करने और विकास के अवसरों को इंगित करने के लिए एक प्रदर्शन-आधारित भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EQ) प्रतिरूप बनाया।
इस प्रकार, यह हमारे लिए स्पष्ट है कि गोलेमैन के विचार में "दूसरों को समझने" की क्षमता, भावनात्मक बुद्धि के सामाजिक अनुबंध आयाम के अंतर्गत आती है।
According to Goleman, the skill of 'understanding others' comes under the social contract dimension of emotional intelligence.
Goleman defined emotional intelligence as a person's capacity to control their emotions and express them in a healthy and productive way.
The most significant predictor of success in the workplace, in Goleman's opinion, is emotional intelligence.
Goleman describes it as "the capacity to recognize, evaluate, and regulate one's own, other people's, and collective emotions."
Goleman created a performance-based emotional intelligence (EQ) model to evaluate employee emotional intelligence levels and pinpoint growth opportunities.
Thus, it is clear to us the ability to "understand others," in Goleman's view, falls under the social contract dimension of emotional intelligence.
Ques 135. ANS (D) Solution:
सोच के प्रकार-
भिन्न सोच- इसमें विषय के विभिन्न पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक विषय को विभिन्न घटक भागों में तोड़ना शामिल है।
रचनात्मक सोच- नए और नवीन विचारों या वस्तुओं को बनाने में शामिल सोच रचनात्मक सोच है। इसमें कुछ नया बनाने के लिए मौजूदा उद्दीपनों को पुनर्व्यवस्थित करना शामिल है।
निगमनात्मक सोच- इस सोच के अनुसार यह तार्किक रूप से आवश्यक है कि यदि प्रस्तावना में सभी सत्य हैं तो निष्कर्ष भी ऐसा ही होता है। यदि निगमनात्मक तर्क का सही और शुद्ध उपयोग किया जाता है, तो सटीक बिंदु या तर्क सटीक निष्कर्ष या परिणाम की ओर ले जाएंगे।
तार्किक सोच- यह वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लगातार तर्क का उपयोग करता है।
Types of thinking-
Divergent thinking- It involves breaking a topic down into various component parts in order to gain insight into the various aspects of the topic.
Creative thinking- It is the thinking involved in creating new and novel ideas or objects. It involves rearranging the existing stimuli to create something new.
Deductive thinking- It claims that it's logically necessary that if the premises are all true then so is the conclusion. If deductive logic is used accurately and correctly, accurate points or arguments will lead to an accurate conclusion or result.
Logical thinking- It is the process in which one uses reasoning consistently to come to a conclusion.
Ques 136. ANS (B) Solution:
लेव वायगोत्स्की ने निर्देशात्मक पाड़ का प्रस्ताव दिया है।
वायगोत्स्की ने इस शब्द का इस्तेमाल दूसरों से अधिक जानकार अन्य (MKO) द्वारा बच्चों को नई अवधारणाओं और कौशल अधिगम के लिए प्रदान किए गए सामाजिक और निर्देशात्मक समर्थन का वर्णन करने के लिए किया था।
एक बार जब बच्चों द्वारा कौशल सीख लिया जाता है, तो निर्देशात्मक समर्थन वापस ले लिया जाता है। वायगोत्स्की के विचार में, 'पाड़' एक ऐसी प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसके माध्यम से बच्चों को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार आवश्यक सहायता दी जाती है। यह बच्चों को उनके अधिगम के कौशल को बढ़ाने के लिए अस्थायी सहायता प्रदान करता है और उनकी अधिगम की सीमाओं को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत सहायता भी प्रदान करता है।
इस दृष्टिकोण का उपयोग उन बच्चों की मदद करने में काफी हद तक

किया गया है जिन्हें संघर्षरत पाठक के रूप में स्तरित किया गया है और जो सफलता के साथ अन्य क्षेत्र में विस्तार कर रहे हैं।
अतः, यह निष्कर्ष निकलता है कि 'निर्देशात्मक पाड़' शब्द के बारे में चर्चा करने वाले मनोवैज्ञानिक वायगोत्स्की हैं।
Lev Vygotsky has proposed instructional scaffolding.
Vygotsky used this term to describe social and instructional support provided by MKO to children to learn new concepts and skills.
Once the skill is learned by the children, the instructional support is withdrawn. In Vygotsky's view, 'scaffolding' refers to a process through which required assistance is given to children according to their individual needs.
It imparts temporary support to the children to enhance their learning skills and also provides individualized support to increase their learning boundaries.
This approach has been used to a great extent in dealing with children who are labeled as struggling readers and is expanding into other domains with success.
Thus, it is concluded that The word 'Instructional Scaffolding' was discussed by Vygotsky.
Ques 137. ANS (A) Solution:
बंडुरा के सामाजिक अधिगम के चरणों का सही क्रम निम्नलिखित है:
अवलोकन: पहला चरण व्यवहार का निरीक्षण करना और फिर उनका अनुकरण करना है क्योंकि बंडुरा ने समर्थन किया कि संज्ञानात्मक और समस्या-समाधान कौशल दूसरों को देखकर और उनका अनुकरण करके सीखे जा सकते हैं और तत्काल वातावरण में दूसरों को देखकर नए व्यवहार और अनुभव प्राप्त किए जा सकते हैं।
ध्यान: यह अधिगम के लिए प्रतिरूपण (मॉडल) पर ध्यान देने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। हम एक मॉडल के कुल व्यवहार की नकल नहीं करते हैं बल्कि हम उन विशिष्ट पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्हें सीखने में हमारी रुचि है। हम उस व्यवहार की उन महत्वपूर्ण विशेषताओं पर ध्यान देते हैं, जिन्हें हम सीखना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, एक बच्चा जो अच्छी लिखावट में लिखना सीखता है, अपने शिक्षक को देखता है और ध्यान से देखता है कि वह किस तरह से कलम पकड़ रहा है, अपनी उंगलियों को घुमा रहा है, कहाँ वह बड़े अक्षरों का उपयोग कर रहा है और इस बात पर ध्यान नहीं देता है कि शिक्षक कैसे कपड़े पहनता है या वह कैसे चलता है।
प्रतिधारणा: जानकारी संग्रहीत करने की क्षमता भी अधिगम की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतिधारणा कई कारकों से प्रभावित हो सकती है, लेकिन बाद में जानकारी प्राप्त करने और उस पर कार्य करने की क्षमता अवलोकन अधिगम के लिए महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ज़हीर खान की तरह गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा है, तो उसे मानसिक रूप से ज़हीर की गेंदबाजी क्रियाओं के दृश्यों को व्यक्तिगत रूप से या टीवी टेलीकास्ट में देखने और क्रियाओं की एक दृश्य छवि बनाने के बाद अभ्यास करना चाहिए।
पुनरुत्पादन: यह इस तथ्य को संदर्भित करता है कि जो देखा गया है उसे लागू करने के लिए पर्यवेक्षक को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक क्षमताओं और स्थितिजन्य सुविधाओं से संपन्न होना चाहिए। जब तक इसे अभिव्यक्ति का दायरा नहीं दिया जाता है, यह विलुप्त हो सकता है।
अभिप्रेरणा: अंतिम चरण अभिप्रेरणा और पुनर्बलन है। देखे गए व्यवहार के अधिनियमन के लिए सकारात्मक परिणामों की अपेक्षा की आवश्यकता होगी। यह देखकर पता लगाया जा सकता है कि प्रतिरूपण (मॉडल) को उसी व्यवहार के लिए पुरस्कृत किया गया था। बाहरी इनाम और आंतरिक आत्म-पुनर्बलन के रूप में अभिप्रेरणा के इस कारक पर बंडुरा द्वारा बार-बार जोर दिया गया है।

The correct sequence of phases of Bandura's social learning is:
Observation: The first phase is to observe the behavior and then imitate them as Bandura advocated that cognitive and problem-solving skills can be learned by watching and imitating others and new behaviors and experiences are acquired by observing others in the immediate environment.
Attention: It refers to the process of paying attention to the model to observe in order to learn. We do not imitate the total behavior of a model rather we focus on specific aspects that we are interested to learn. We pay attention to significant features of the behavior we want to learn. For example, a child learning to write in good handwriting watches her teacher and keenly observes the way she is holding the pen, moving her fingers, where she is using capital letters and does not pay attention to how the teacher is dressed or how she walks.
Retention: The ability to store information is also an important part of the learning process. Retention can be affected by a number of factors, but the ability to pull up information later and act on it is vital to observational learning. For example, if anyone is trying to bowl like Zahir Khan, then he should mentally rehearse the sequences of the bowling actions of Zahir after observing him in person or in TV telecasts and forming a visual image of the actions.
Reproduction: It refers to the fact that the observer must be endowed with the physical and psychological capabilities and situational facilities to enact what has been observed. Unless it is given the scope of expression, it may become extinct.
Motivation: The final phase is motivation and reinforcement. Enactment of observed behavior would require an expectancy of positive results. This may be learned by observing that the model had been rewarded for the same behavior. This factor of motivation as the external reward and internal self-reinforcement has been emphasized repeatedly by Bandura.
Ques 138. ANS (A) Solution:
'मानसिक विकास के औपचारिक संक्रियात्मक चरण' की एक महत्वपूर्ण विशेषता इस अवधि में अमूर्त चिंतन है:
मानसिक क्षमता अधिकतम स्तर तक विकसित होती है।
बच्चों में संज्ञान और समस्या को सुलझाने का कौशल विकसित होता है।
बच्चे अमूर्त और वैज्ञानिक सोच के माध्यम से दुनिया को समझते हैं।
बच्चे काल्पनिक और निगमनात्मक तर्क करने में सक्षम हो जाते हैं।
इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'मानसिक विकास के औपचारिक संचालन चरण' की एक महत्वपूर्ण विशेषता अमूर्त चिंतन है।
An important characteristic of the 'formal operational stage of mental development' is abstract thinking as in this period:
mental capabilities develop to the maximum level.
metacognition and problem-solving skills develop in children.
children understand the world through abstract & scientific thinking.
children become capable of hypothetical and deductive reasoning.
Hence, it could be concluded that an important characteristic

of the 'formal operational stage of mental development' is abstract thinking.

Ques 139. ANS (A) Solution:

मध्यम स्तर पर मानसिक रूप से मंद मानसिक रूप से मंद प्रशिक्षित हैं।
ये वे बच्चे हैं जिन्हें स्व-सहायता और व्यावसायिक कौशल पर बल देते हुए कार्यात्मक शिक्षाविदों को पढ़ाया जा सकता है।
35-50 IQ वाले मानसिक रूप से मंद व्यक्तियों में से लगभग 10% को मध्यम मानसिक रूप से मंद के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
वे एक गैर मंदबुद्धि 7 या 8 साल के बच्चे के बौद्धिक कौशल का विकास करते हैं।
कामकाज के इस स्तर के साथ, वे अकुशल या अर्ध-कुशल नौकरियों में पर्यवेक्षण के तहत कार्य कर सकते हैं। वे पूर्वस्कूली अवधि के दौरान बात करना और संवाद करना सीख सकते हैं।
वे स्वयं की देखभाल करना सीख सकते हैं लेकिन स्वतंत्र रूप से नहीं रहते हैं और उन्हें रिश्तेदारों या संस्थानों से देखभाल की आवश्यकता होती है।
वे समुदाय में पर्यवेक्षित जीवन को अच्छी तरह अनुकूलित कर सकते हैं।
इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मध्यम स्तर पर मानसिक रूप से मंद मानसिक रूप से मंद प्रशिक्षित हैं।

Moderate Mentally Retarded are trainable mentally retarded.
These are those children who can be taught functional academics with an emphasis on self-help and vocational skills.
About 10% of mentally retarded persons with IQ 35-50 are classified as moderately mentally retarded.
They develop the intellectual skills of a non retarded 7 or 8-year-old.
With this level of functioning, they can work in unskilled or semi-skilled jobs under supervision. They may learn to talk and communicate during the preschool period.
They can learn to care for themselves but do not live independently and need care from relatives or in institutions.
They can adapt well to supervised life in the community.
Thus, it is concluded that Moderate Mentally Retarded are trainable mentally retarded.

Ques 140. ANS (A) Solution:

त्रितंत्र सिद्धांत में तीन तत्व शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक एक विशिष्ट प्रकार की बुद्धि से संबंधित है:
संदर्भात्मक तत्व, जो व्यावहारिक बुद्धि, या किसी के वातावरण में सफलतापूर्वक कार्य करने की क्षमता से मेल खाता है।
अनुभवात्मक तत्व, जो रचनात्मक बुद्धि, या उपन्यास स्थितियों या मुद्दों से निपटने की क्षमता से मेल खाता है।
घटकीय तत्व, जो विश्लेषणात्मक बुद्धि, या समस्याओं का समाधान करने की क्षमता से मेल खाता है।
इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि तार्किक-गणितीय तत्व स्टर्नबर्ग द्वारा वर्णित एक प्रकार की बुद्धि नहीं है।

The Triarchic Theory is comprised of three elements, each of which relates to a specific kind of intelligence:
the contextual element, which corresponds to practical intelligence, or the ability to successfully function in one's environment.
the experiential element, which corresponds to creative intelligence, or the ability to deal with novel situations or issues.
the componential element, which corresponds to analytical intelligence, or the ability to solve problems.
Hence, it could be concluded that the Logical-mathematical element is not a type of intelligence described by Sternberg.

Ques 141. ANS (A) Solution:

सृजनात्मकता के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु निम्न हैं-
सृजनात्मक व्यक्ति कुछ भी करने के अपने अलग तरीके से जाना जाता है। जैसे- संगीतकार, कलाकार, चित्रकार, नर्तक।
सृजनात्मकता एक विचार अथवा अवधारणा के निर्माण में उपयुक्त वैचारिक प्रक्रिया है जो नई, मौलिक तथा उपयोगी है।
सृजनात्मकता मनुष्य द्वारा काम की जाती है जो लक्ष्य निर्देशित होती है।
यह व्यक्ति के अपसारी चिंतन का परिणाम है।
इसलिए हम कह सकते हैं कि एक विचार अथवा अवधारणा के निर्माण में उपयुक्त वैचारिक प्रक्रिया जो नई, मौलिक तथा उपयोगी है, सृजनात्मकता कहलाती है।

There are some important points of Creativity-
Creative person is known by his different manner of dining anything. eg- Musician , Artist, Painter Dancer.
Creativity is the thinking Process involved in productivity of an idea or concept that is new, original, and useful.
Creativity is worked by man which are goal directed.
It is the result of a person's divergent thinking.
Hence we can say that the Thinking Process involved in the productivity of an idea or concept that is new, original, and useful is termed Creativity.

Ques 142. ANS (B) Solution:

सामान्यीकरण का सिद्धांत - सी.एच जुड:
सामान्यीकरण का सिद्धांत 1908 में चार्ल्स जुड द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
जुड द्वारा प्रस्तावित सामान्यीकरण के सिद्धांतों के अनुसार, विशेष कौशल का विकास, विशिष्ट तथ्यों की निपुणता, एक स्थिति में विशेष आदतों और दृष्टिकोण के निर्माण का हस्तांतरण मूल्य तभी होता है जब कौशल, तथ्य, आदतों आदि को व्यवस्थित और अन्य स्थिति से संबंधित किया जाता है जिसमें उनका उपयोग किया जा सकता है।
सामान्यीकरण का सिद्धांत बताता है कि स्थानांतरण सामान्य विशेषताओं या सामान्य सिद्धांतों के परिणामस्वरूप होता है जो कोई व्यक्ति किसी स्थिति में सीखता है। नतीजतन, कोई उन सामान्यीकरणों को एक नई स्थिति में लागू करने में सक्षम है।
जुड के सिद्धांत ने यह भी माना कि शिक्षार्थियों के दृष्टिकोण और स्वभाव, जैसे कि प्रेरणा, स्थानांतरण पर भी प्रभाव डालते हैं, और यह कि विषयवस्तु पद्धति की तरह महत्वपूर्ण नहीं है।
अतः चार्ल्स जुड द्वारा प्रस्तावित अधिगम हस्तांतरण का सिद्धांत सामान्यीकरण का सिद्धांत है।

Theory of Generalization – C. H. Judd:
The theory of generalization was propounded by Charles Judd in 1908.
According to the principles of generalization proposed by Judd, the development of special skills, the mastery of specific facts, formulation of particular habits and attitudes in one situation have transfer value only if the skill, facts, habits, etc. are systematized and related to other situation in which they can be utilized.
The theory of generalization contends that transfer occurs as a result of common features or general principles which one learns in a situation. As a result, one is able to apply those generalizations to a new situation.
Judd's theory also posited that the attitudes and dispositions of the learners, such as motivation, also impacted on transfer,

and that the subject matter is not as important as the methodology.
Hence, the theory of transfer of learning proposed by Charles Judd is Theory of Generalization.
Ques 143. ANS (B) Solution:
लक्ष्य प्राप्त करने के बाद व्यक्ति कभी नहीं रुकता। यह एक ऐसा चक्र है जो जीवन भर चलता रहता है, इसलिए इसे प्रेरक चक्र कहा जाता है।
अभिप्रेरणा के घटक:
आवश्यकता: आवश्यकता अनिवार्यता की कमी है। एक अंतर्निहित आवश्यकता के कारण एक कार्रवाई शुरू हो जाती है।
अन्तर्नोद/अभिप्रेरण: यह एक लक्ष्य की उपलब्धि में दूसरा कदम है। यह एक जीव को अपने लक्ष्य की ओर धकेलने के लिए एक सतत प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। यह उच्च तनाव की स्थिति है जो व्यवहार के लिए अग्रणी है। इसकी एक दिशा और वैधता है।
प्रोत्साहन: कार्यों से सकारात्मक परिणाम एक व्यक्ति को एक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करते हैं। यह पर्यावरण की वस्तु है जो व्यवहार को सक्रिय, निर्देशित और बनाए रखता है।
लक्ष्य: वे सकारात्मक या नकारात्मक हो सकते हैं। सकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिन्हें व्यक्ति प्राप्त करने की कोशिश करता है, जैसे कि संबंध, भोजन, सफलता इत्यादि। नकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिनसे व्यक्ति बचने या भागने की कोशिश करता है, जैसे कि शर्मनाक स्थिति, अपमान, दंड आदि।
A person never stops after achieving a goal. It is a cycle that continues throughout life, hence, called the Motivational Cycle.
Component of motivation:
Need: A need is a lack of necessity. An action gets initiated because of an underlying need.
Drive: It is the second step in the achievement of a goal. It acts as a persistent stimulus to push an organism towards its goal. It is the state of heightened tension leading to the behaviour. It has a direction and valence.
Incentive: Positive outcomes from actions act as an incentive in motivating a person towards achieving a goal. It is the object of the environment that activates, directs, and maintains behaviour.
Goals: They can be either positive or negative. Positive goals are the ones that a person tries to attain, such as relationships, food, success, etc. Negative goals are the ones that a person tries to avoid or escape from, such as embarrassing situations, insults, punishments, etc.
Ques 144. ANS (D) Solution:
प्रेरकों को प्राथमिक और द्वितीयक उद्देश्यों में वर्गीकृत किया जा सकता है। आइए संक्षेप में समझते हैं:
प्राथमिक प्रेरक:
प्राथमिक प्रेरक वे होते हैं जो प्राकृतिक/स्वाभाविक/जन्मजात और शारीरिक होते हैं। सबसे सामान्य प्राथमिक प्रेरक भूख, प्यास, सुरक्षा की आवश्यकता, आराम, नींद हैं।
यह मुख्य रूप से आत्म-संरक्षण की हमारी आवश्यकता से जुड़े प्रेरकों से संबंधित है। प्राथमिक प्रेरक को जन्मजात प्रेरक के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह बिना सीखे हुए प्राप्त होते है।
द्वितीयक प्रेरक:
जैसे-जैसे मानव समाज आर्थिक रूप से विकसित होता है और अधिक जटिल होता जाता है, द्वितीयक प्रेरक विकसित होते हैं। द्वितीयक प्रेरकों के उदाहरण शक्ति की आवश्यकता, संबद्धता और स्थिति की आवश्यकता आदि हैं।
इन्हें मनोविज्ञान में "अर्जित" प्रेरक के रूप में अधिक जाना जाता है, इस प्रकार का "अंतर्नोद" एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होता है।
द्वितीयक प्रेरक को अर्जित के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसे सीखा जाता है।
इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि भूख, प्यास और सुरक्षा की आवश्यकता सभी प्राकृतिक प्रेरक हैं।
Motives can be classified into primary and secondary motives. Let's Understand in brief:
Primary motives:
Primary motives are the ones that are natural/innate/inborn and physiological. The most common primary motives are hunger, thirst, need for security, rest, sleep.
This mainly pertains to motives involved with our need for self-preservation. The primary motivation is known as Inborn Motivation as it is unlearned.
Secondary motives:
Secondary motives develop as human society develops economically and becomes more complex. Examples of secondary motives are the need for power, need of affiliation and status, etc.
More known in psychology as “learned” motivation, this type of “drive” differs from one person to another. Secondary motivation is known as Acquired as it is learned.
Hence, we can conclude that hunger, thirst, and the need for security all are natural motives.
Ques 145. ANS (C) Solution:
सिद्धांतवादी बैकन के अनुसार किशोरावस्था पूर्ण रूप से एक सामाजिक घटना है।
किशोरावस्था में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो शारीरिक रूप से स्पष्ट नहीं होते हैं लेकिन उनके शरीर और मस्तिष्क में हो रहे सामाजिक परिवर्तनों के कारण निश्चित रूप से किशोरों के व्यवहार में परिवर्तन होते हैं।
ये परिवर्तन इस प्रकार हैं:
नियंत्रण को लेकर परिवार में विवाद।
अमूर्त चिंतन का विकास।
विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण।
यहाँ रिश्ते माता-पिता से साथियों की ओर उन्मुख होते हैं।
अतः, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि सिद्धांतवादी बैकन के अनुसार, किशोरावस्था पूर्ण रूप से एक सामाजिक घटना है।
According to the theorist Bakken, adolescence is a social incident as a whole.
In adolescence there are the changes which is not observable as physical but definitely the behavior of adolescents changes due to social changes happening in their body and mind.
These changes are as follows:
Conflict with family over control.
Development of abstract thinking
Attraction towards opposite gender
Relationships tend to be oriented from parents to peers.
Hence, we can conclude that according to the theorist Bakken, adolescence is a social incident as a whole.
Ques 146. ANS (C) Solution:
बुद्धि-लब्धि जिसे आमतौर पर IQ के नाम से जाना जाता है, एक मानकीकृत परीक्षण के स्कोर को संदर्भित करता है जो मानव बुद्धि का आकलन और माप करता है।

बुद्धि को मापने के लिए पहला परीक्षण 1905 में बिनेट और साइमन द्वारा विकसित किया गया था।
1916 में टरमन ने परीक्षण को संशोधित किया और बुद्धि-लब्धि की अवधारणा तैयार की।
Intelligence Quotient commonly known as IQ refers to the score of a standardized test that assesses and measures human intelligence.
The first test to measure intelligence was developed by Binet and Simon in 1905.
Terman in 1916 revised the test and devised the concept of Intelligence Quotient.
Ques 147. ANS (D) Solution:
पूर्व पारंपरिक:
पूर्व-पारंपरिक स्तर पर, बच्चे अपने आसपास के लोगों से सही और गलत सीखते हैं। उनका आचरण बाहरी कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है जैसे प्राधिकरण के आंकड़ों द्वारा अनुमोदन और अस्वीकृति या पुरस्कार और दंड जैसे पुनर्बलन। इस प्रकार, एक बच्चे का व्यवहार आज्ञाकारिता और दंड की ओर उन्मुख होता है।
पारंपरिक नैतिकता:
यह नैतिक विकास का दूसरा चरण है। यह सही और गलत से संबंधित सामाजिक नियमों की स्वीकृति की विशेषता है।
इसमें एक क्रिया की नैतिकता का न्याय करने में समाज और सामाजिक नियम शामिल हैं और इसलिए इस स्तर पर नैतिक चिन्तन शुरुआती सामाजिक परिपेक्ष पर आधारित होता है।
उत्तर-पारंपरिक नैतिकता:
नैतिक विकास के उत्तर-पारंपरिक चरण में, सही और गलत की भावना व्यक्ति के विवेक द्वारा तय की जाती है और बाहर से कुछ भी अधिरोपित नहीं किया जा सकता है।
कोई व्यक्ति जीवन के लिए मूल्य जैसे कुछ सार्वभौमिक मूल्यों को उच्चतम क्रम में रख सकता है और उसके लिए एक नियम भी तोड़ सकता है।
इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि दंड जैसे पुनर्बलन कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत के पूर्व-पारंपरिक स्तर में नैतिक संहिता को परिभाषित करते हैं।
Pre- conventional:
At the pre-conventional level, children learn right and wrong from the people around them. Their conduct is determined by external factors like approval and disapproval by authority figures or reinforcements like rewards and punishment. Thus, a child's behavior is oriented towards obedience and punishment.
Conventional morality:
It is the second level of moral development. It is characterized by acceptance of societal rules concerning right and wrong.
It includes society and societal rules in judging the morality of an action and hence at this level is moral thinking based on taking the initial perspective of the society.
Post-conventional morality:
In the post-conventional level of moral development, the sense of right and wrong is decided by one's own conscience and nothing can be imposed from outside.
One may keep certain universals like value for life at the highest order of values and may also break a law for the same.
Thus, it is concluded that reinforcements like punishments define moral code in Pre-conventional level of Kohlberg's Moral Development Theory.
Ques 148. ANS (C) Solution:
सोलह व्यक्तित्व कारक प्रश्नावली (16-PF प्रश्नावली):
इसे कैटेल द्वारा विकसित किया गया है। यह व्यक्तित्व विवरणों के एक बड़े समूह की पहचान करता है जो बुनियादी व्यक्तित्व संरचना की पहचान करने के लिए कारक विश्लेषण के अधीन है।
कैटेल के व्यक्तित्व कारकों को सोलह व्यक्तित्व कारक प्रश्नावली (16PF) में शामिल किया गया है जो आज शिक्षा में जीविका परामर्श के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
कर्ता विकल्प चुनकर स्थिति का उत्तर देता है। कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श के लिए भारत में उच्च विद्यालय स्तर के छात्रों के साथ इस परीक्षा का उपयोग किया जाता है।
रेमंड कैटेल ने निम्नलिखित 16 व्यक्तित्व आयामों का वर्णन किया:
अमूर्तता: काल्पनिक बनाम व्यावहारिक
आशंका: चिंतित बनाम आश्वस्त
प्रभुत्व: सशक्त बनाम विनम्र
संवेगात्मक स्थिरता: शांत बनाम अत्यंत सख़्त
आजीविका: संयमी बनाम निस्रद्ध
परिवर्तन के लिए खुलापन: लचीले बनाम परिचित से जुड़ा हुआ
पूर्णतावाद: नियंत्रित बनाम अनुशासनहीन
विशेषाधिकार: विवेकशील बनाम मुक्त
तर्क: अमूर्त बनाम मूर्त
नियम-चेतना: अनुरूपता बनाम गैर-अनुरूपता
आत्मनिर्भरता: आत्मनिर्भर बनाम निर्भर
संवेदनशीलता: दयालु बनाम कठिन दिमाग
सामाजिक साहस: निर्जन बनाम संकोची
तनाव: रोगी बनाम शिथिल
सतर्कता: संदिग्ध बनाम भरोसेमंद
गर्मजोशी: निवर्तमान बनाम आरक्षित
Sixteen Personality Factors Questionnaire (16-PF Questionnaire):
It is developed by Cattell. It identifies a large set of personality descriptions which is subjected to factor analysis to identify basic personality structure.
Cattell's personality factors are included in the Sixteen Personality Factor Questionnaire (16PF) that is widely used today for career counseling in education.
The subject responds to the situation by choosing alternatives. This test is being used with high school level students in India for career guidance and counseling.
Raymond Cattell described the following 16 personality dimensions:
Abstractedness: Imaginative versus practical
Apprehension: Worried versus confident
Dominance: Forceful versus submissive
Emotional stability: Calm versus high-strung
Liveliness: Spontaneous versus restrained
Openness to change: Flexible versus attached to the familiar
Perfectionism: Controlled versus undisciplined
Privateness: Discreet versus open
Reasoning: Abstract versus concrete
Rule-consciousness: Conforming versus non-conforming
Self-reliance: Self-sufficient versus dependent
Sensitivity: Tender-hearted versus tough-minded
Social boldness: Uninhibited versus shy

Tension: Inpatient versus relaxed
Vigilance: Suspicious versus trusting
Warmth: Outgoing versus reserved
Ques 149. ANS (D) Solution:
लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बच्चे अपने लिंग के बारे में सीखते हैं और उन लोगों के लक्षणों और मूल्यों को अपनाकर उनके अनुसार व्यवहार करते हैं जिन्हें वे अपने लिंग के रूप में पहचानते हैं।
उदाहरण के लिए, जब एक लड़का बड़ा होता है, तो वह खुद को पुरुष लिंग के रूप में पहचानता है और रूढ़िबद्ध पुरुष बनने का प्रयास करता है। यह एक ऐसी विधि है जिसके माध्यम से एक बच्चा अपने यौन अभिविन्यास की खोज करता है और उसे व्यक्त करता है।
लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) के माध्यम से बच्चे लिंग भूमिकाओं के बारे में सीखते हैं जो सामाजिक मानदंडों का एक समूह है जो उन व्यवहारों के प्रकारों को निर्धारित करता है, जिन्हें आम तौर पर लोगों के लिए उनके वास्तविक या कथित लिंग या कामुकता के आधार पर स्वीकार्य, उपयुक्त या वांछनीय माना जाता है।
अतः, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बच्चे कम उम्र में लैंगिक प्रकार (जेंडर टाइपिंग) समाजीकरण प्रक्रिया में बच्चे कम उम्र में ही उचित लैंगिक भूमिकाएँ सीखते हैं।
Gender typing is the process through which children learn about their gender and behave accordingly by adopting the traits and values of people they identify as belonging to their sex.
For example when a boy grows up, he identifies himself as the male gender and strives to be the stereotypical man. It is a method through which a child discovers and expresses his or her sexual orientation.
Through gender-typing children learn about gender roles which is a set of societal norms dictating the types of behaviors that are generally considered acceptable, appropriate, or desirable for people based on their actual or perceived sex or sexuality.
Hence, we conclude that children learn appropriate gender roles at an early age in the gender typing process.
Ques 150. ANS (D) Solution:
मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लाभ:
अन्य भाषाओं को चुनना और सीखना आसान बनाता है।
कक्षा के वातावरण को आरामदायक बनाता है और बच्चों के आत्म-सम्मान को बढ़ाता है।
उनकी आलोचनात्मक सोच और साक्षरता कौशल विकसित करने में मदद करता है। यह आगे हर विषय में उपयोग की जाने वाली भाषा का विस्तार करने में मदद करता है।
बच्चे की व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान विकसित करने में मदद करता है। बच्चा अपनी पहचान मातृभाषा से ही पहचानता है।
इस प्रकार, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मातृ भाषा में प्राथमिक शिक्षा देने से बच्चे के भाषा विकास को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।
Advantages of providing primary education in mother tongue:
Makes it easier to pick up and learn other languages.
Makes the classroom environment comfortable and boosts the self-esteem of the children.
Helps in developing their critical thinking and literacy skills. It further helps in extending the language to use in every subject.
Helps in developing the child's personal, social and cultural identity. The child recognizes their identity from the mother language.
Thus, we can conclude that giving primary education in the mother language can help foster the language development of the child.
Ques 151. ANS (B) Solution:
एरिक्सन का सिद्धांत व्यक्तिगत, भावनात्मक और सामाजिक विकास को एकीकृत करता है, इसलिए इसे अक्सर व्यक्तित्व विकास का मनोवैज्ञानिक सिद्धांत कहा जाता है।
सिगमंड फ्रायड की तरह, एरिकसन का मानना था कि व्यक्तित्व अवस्थाओं की एक श्रृंखला में विकसित होता है।
फ्रायड के मनोवैज्ञानिक अवस्थाओं के सिद्धांत के विपरीत, एरिकसन का सिद्धांत पूरे जीवन में सामाजिक अनुभव के प्रभाव का वर्णन करता है।
एरिकसन के सिद्धांत में प्रत्येक अवस्था के भीतर 8 अवस्थाएं होती हैं, जिसमें प्रत्येक अवस्था में एक कठिनाई का समाधान किया जाता है।
कठिनाई विकास का एक प्रमुख मुद्दा है जो एक विशिष्ट समय अवधि के दौरान जीवन भर महत्वपूर्ण हो जाता है।
कठिनाई को हल करने में सफल होने के लिए, सकारात्मक और तदनुसार नकारात्मक लक्षणों को संतुलित करना आवश्यक है।
Erickson's theory integrates personal, emotional, and social development so it is often called the psychological theory of personality development.
Much like Sigmund Freud, Erickson believed that Personality developed in a series of stages.
Unlike Freud's theory of psychosexual stages, Erickson's theory describes the impact of social experience across the whole life.
Erickson's theory consists of 8 stages within each stage a crisis must be resolved.
The crisis is a major development issue that becomes important during a specific time period throughout one's life. In order to be successful in solving the crisis, one must balance positive and corresponding negative traits.
Ques 152. ANS (A) Solution:
सृजनात्मकता के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु निम्न हैं-
सृजनात्मक व्यक्ति कुछ भी करने के अपने अलग तरीके से जाना जाता है। जैसे- संगीतकार, कलाकार, चित्रकार, नर्तक।
सृजनात्मकता एक विचार अथवा अवधारणा के निर्माण में उपयुक्त वैचारिक प्रक्रिया है जो नई, मौलिक तथा उपयोगी है।
सृजनात्मकता मनुष्य द्वारा काम की जाती है जो लक्ष्य निर्देशित होती है। यह व्यक्ति के अपसारी चिंतन का परिणाम है।
इसलिए हम कह सकते हैं कि एक विचार अथवा अवधारणा के निर्माण में उपयुक्त वैचारिक प्रक्रिया जो नई, मौलिक तथा उपयोगी है, सृजनात्मकता कहलाती है।
There are some important points of Creativity-
Creative person is known by his different manner of dining anything. eg- Musician , Artist, Painter Dancer.
Creativity is the thinking Process involved in productivity of an idea or concept that is new, original, and useful.
Creativity is worked by man which are goal directed.
It is the result of a person's divergent thinking.
Hence we can say that the Thinking Process involved in the productivity of an idea or concept that is new, original, and useful is termed Creativity.
Ques 153. ANS (B) Solution:

फ्रायड ने 'इलेक्ट्रा ग्रंथि' और 'ओडिपस ग्रंथि' की अवधारणा को मनोवैज्ञानिक विकास सिद्धांत के लैंगिक चरण में प्रस्तावित किया है। इन दो मनोग्रंथियों का सफल संकल्प एक परिपक्व यौन पहचान को विकसित करता है।
ओडिपस ग्रंथि:
लड़के का अपनी माँ के प्रति प्रेम का भाव
पिता के लिए प्रतिद्वंद्विता की भावना
माँ के लिए अधिक प्रेम की भावना होने पर पिता द्वारा दंडित होने का भय होना।
इलेक्ट्रा ग्रंथि:
लड़की का अपने पिता के प्रति प्रेम का भाव
माँ के लिए प्रतिद्वंद्विता की भावना
पिता के लिए अधिक प्रेम की भावना होने पर माँ द्वारा दंडित होने का भय होना।
इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि लड़कियों के पितृ प्रेमभाव को फ्रायड ने इलेक्ट्रा ग्रंथि से सम्बोधित किया है।
Freud proposed the concept of 'The Electra complex' and 'The Oedipus complex' in the Phallic stage of the Psychosexual Development Theory.
The successful resolution of these two complexes develops a mature sexual identity.
Oedipus complex:
Boy's sense of affection for his mother.
Feeling of rivalry for the father.
A threat of getting punished by the father for having a desire for the mother.
Electra complex:
Girl's sense of affection for his father.
Feeling of rivalry for mother.
A threat of getting punished by the mother for having this feeling towards her father.
Hence, it could be concluded that Freud considers the paternal love of girls as Electra complex.
Ques 154. ANS (B) Solution:
सामान्यीकरण का सिद्धांत - सी.एच जुड:
सामान्यीकरण का सिद्धांत 1908 में चार्ल्स जुड द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
जुड द्वारा प्रस्तावित सामान्यीकरण के सिद्धांतों के अनुसार, विशेष कौशल का विकास, विशिष्ट तथ्यों की निपुणता, एक स्थिति में विशेष आदतों और दृष्टिकोण के निर्माण का हस्तांतरण मूल्य तभी होता है जब कौशल, तथ्य, आदतों आदि को व्यवस्थित और अन्य स्थिति से संबंधित किया जाता है जिसमें उनका उपयोग किया जा सकता है।
सामान्यीकरण का सिद्धांत बताता है कि स्थानांतरण सामान्य विशेषताओं या सामान्य सिद्धांतों के परिणामस्वरूप होता है जो कोई व्यक्ति किसी स्थिति में सीखता है। नतीजतन, कोई उन सामान्यीकरणों को एक नई स्थिति में लागू करने में सक्षम है।
जुड के सिद्धांत ने यह भी माना कि शिक्षार्थियों के दृष्टिकोण और स्वभाव, जैसे कि प्रेरणा, स्थानांतरण पर भी प्रभाव डालते हैं, और यह कि विषयवस्तु पद्धति की तरह महत्वपूर्ण नहीं है।
अतः चार्ल्स जुड द्वारा प्रस्तावित अधिगम हस्तांतरण का सिद्धांत सामान्यीकरण का सिद्धांत है।
Theory of Generalization – C. H. Judd:
The theory of generalization was propounded by Charles Judd in 1908.
According to the principles of generalization proposed by Judd, the development of special skills, the mastery of specific facts, formulation of particular habits and attitudes in one situation have transfer value only if the skill, facts, habits, etc. are systematized and related to other situation in which they can be utilized.
The theory of generalization contends that transfer occurs as a result of common features or general principles which one learns in a situation. As a result, one is able to apply those generalizations to a new situation.
Judd's theory also posited that the attitudes and dispositions of the learners, such as motivation, also impacted on transfer, and that the subject matter is not as important as the methodology.
Hence, the theory of transfer of learning proposed by Charles Judd is Theory of Generalization.
Ques 155. ANS (C) Solution:
सूझ/अंतर्दृष्टि द्वारा अधिगम की अवधारणा की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं।
इस सिद्धांत में, चार महान मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है, जो इस प्रकार हैं- कोहलर, कोफ्का, वर्दीमर और लेबन आदि।
इस सिद्धांत ने अपने आंशिक भाग से बड़ी किसी भी वस्तु के पूर्ण रूप पर ध्यान केंद्रित किया।
यह सिद्धांत गेस्टाल्ट सिद्धांत के नाम से प्रसिद्ध है और सबसे पहले गेस्टाल्ट संप्रदाय द्वारा पेश किया गया था।
उनका मानना था कि उपयुक्त वातावरण के कारण अंतर्दृष्टि अचानक मस्तिष्क में आती है।
गेस्टाल्ट मनोविज्ञान के जनक मैक्स वर्दीमर हैं। वर्दीमर ने मनोविज्ञान में व्यापक भूमिका निभाई है।
अतः, हम कह सकते हैं कि 'सूझ/अंतर्दृष्टि द्वारा अधिगम' मनोविज्ञान के गेस्टाल्ट संप्रदाय की देन है।
There are some important characteristics of the concept of learning by insight.
In this theory, there are four great psychologists who played the main role, names are Kohler, Koffka, Wertheimer, and Leben.
This theory focused on the complete form of anything greater than its partial portion.
This theory is famous by the name Gestalt Theory and was first introduced by Gestalt School.
They considered that insight comes suddenly into the mind due to a suitable environment.
The Father of Gestalt Psychology is Max. Wertheimer played a wide role in psychology.
In this way, we can say that the Gestalt school of psychology introduced the concept of learning by insight.
Ques 156. ANS (B) Solution:
लक्ष्य प्राप्त करने के बाद व्यक्ति कभी नहीं रुकता। यह एक ऐसा चक्र है जो जीवन भर चलता रहता है, इसलिए इसे प्रेरक चक्र कहा जाता है।
अभिप्रेरणा के घटक:
आवश्यकता: आवश्यकता अनिवार्यता की कमी है। एक अंतर्निहित आवश्यकता के कारण एक कार्रवाई शुरू हो जाती है।
अन्तर्नोद/अभिप्रेरण: यह एक लक्ष्य की उपलब्धि में दूसरा कदम है। यह एक जीव को अपने लक्ष्य की ओर धकेलने के लिए एक सतत प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। यह उच्च तनाव की स्थिति है जो व्यवहार के लिए अग्रणी है। इसकी एक दिशा और वैधता है।
प्रोत्साहन: कार्यों से सकारात्मक परिणाम एक व्यक्ति को एक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करते हैं। यह

पर्यावरण की वस्तु है जो व्यवहार को सक्रिय, निर्देशित और बनाए रखता है।
लक्ष्य: वे सकारात्मक या नकारात्मक हो सकते हैं। सकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिन्हें व्यक्ति प्राप्त करने की कोशिश करता है, जैसे कि संबंध, भोजन, सफलता इत्यादि। नकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिनसे व्यक्ति बचने या भागने की कोशिश करता है, जैसे कि शर्मनाक स्थिति, अपमान, दंड आदि।
A person never stops after achieving a goal. It is a cycle that continues throughout life, hence, called the Motivational Cycle.
Component of motivation:
Need: A need is a lack of necessity. An action gets initiated because of an underlying need.
Drive: It is the second step in the achievement of a goal. It acts as a persistent stimulus to push an organism towards its goal. It is the state of heightened tension leading to the behaviour. It has a direction and valence.
Incentive: Positive outcomes from actions act as an incentive in motivating a person towards achieving a goal. It is the object of the environment that activates, directs, and maintains behaviour.
Goals: They can be either positive or negative. Positive goals are the ones that a person tries to attain, such as relationships, food, success, etc. Negative goals are the ones that a person tries to avoid or escape from, such as embarrassing situations, insults, punishments, etc.
Ques 157. ANS (D) Solution:
प्रथम बुद्धि परीक्षण फ्रांसीसी मनोवैज्ञानिक अल्फ्रेड बिने द्वारा विकसित किया गया था, जिन्हें फ्रांसीसी सरकार द्वारा स्कूल में सबसे अधिक कठिनाई का सामना करने वाले छात्रों की पहचान करने के लिए अधिकृत किया गया था।
शैक्षणिक वर्गीकरण, व्यावसायिक परामर्श और कर्मियों के चयन जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए सामान्य मानसिक क्षमता में व्यक्तिगत अंतरों के लिए बुद्धि को मापने की आवश्यकता होती है।
बुद्धि परीक्षणों को संज्ञानात्मक कार्यों के सामान्य स्तर और बौद्धिक मापन क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक परीक्षण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह मानव संज्ञानात्मक विविधता और बौद्धिक कौशल का एक व्यापक दृष्टिकोण देता है।
बुद्धि परीक्षणों को कई आधारों पर वर्गीकृत किया जाता है।
i) व्यक्तिगत और समूह परीक्षण
ii) शाब्दिक और अशाब्दिक परीक्षण
इसलिए, यह स्पष्ट है कि बुद्धि परीक्षण में ऐसे प्रश्न या कार्य शामिल होते हैं जो यह दिखाने वाले होते हैं कि किसी व्यक्ति में कितनी मापी गई क्षमताएं हैं।
The first intelligence test was developed by French psychologist Alfred Binet, who was commissioned by the French government to identify students who would face the most difficulty in school.
Need to measure intelligence arises to trap individual differences in the general mental ability for a variety of purposes, such as academic classification, occupational counseling and personnel selection.
Intelligence tests can be defined as a test to evaluate the general level of cognitive functions and intellectual measured ability. It gives a broader view of human cognitive diversity and intellectual skills.
Intelligence tests are classified on several bases.
i) Individual and Group tests
ii) Verbal and Nonverbal tests
Hence, it is clear that Intelligence Tests include questions or tasks that are supposed to show how many measured abilities a person has.
Ques 158. ANS (D) Solution:
प्रेरकों को प्राथमिक और द्वितीयक उद्देश्यों में वर्गीकृत किया जा सकता है। आइए संक्षेप में समझते हैं:
प्राथमिक प्रेरक:
प्राथमिक प्रेरक वे होते हैं जो प्राकृतिक/स्वाभाविक/जन्मजात और शारीरिक होते हैं। सबसे सामान्य प्राथमिक प्रेरक भूख, प्यास, सुरक्षा की आवश्यकता, आराम, नींद हैं।
यह मुख्य रूप से आत्म-संरक्षण की हमारी आवश्यकता से जुड़े प्रेरकों से संबंधित है। प्राथमिक प्रेरक को जन्मजात प्रेरक के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह बिना सीखे हुए प्राप्त होते है।
द्वितीयक प्रेरक:
जैसे-जैसे मानव समाज आर्थिक रूप से विकसित होता है और अधिक जटिल होता जाता है, द्वितीयक प्रेरक विकसित होते हैं। द्वितीयक प्रेरकों के उदाहरण शक्ति की आवश्यकता, संबद्धता और स्थिति की आवश्यकता आदि हैं।
इन्हें मनोविज्ञान में "अर्जित" प्रेरक के रूप में अधिक जाना जाता है, इस प्रकार का "अंतर्नोद" एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होता है।
द्वितीयक प्रेरक को अर्जित के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसे सीखा जाता है।
इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि भूख, प्यास और सुरक्षा की आवश्यकता सभी प्राकृतिक प्रेरक हैं।
Motives can be classified into primary and secondary motives. Let's Understand in brief:
Primary motives:
Primary motives are the ones that are natural/innate/inborn and physiological. The most common primary motives are hunger, thirst, need for security, rest, sleep.
This mainly pertains to motives involved with our need for self-preservation. The primary motivation is known as Inborn Motivation as it is unlearned.
Secondary motives:
Secondary motives develop as human society develops economically and becomes more complex. Examples of secondary motives are the need for power, need of affiliation and status, etc.
More known in psychology as “learned” motivation, this type of “drive” differs from one person to another. Secondary motivation is known as Acquired as it is learned.
Hence, we can conclude that hunger, thirst, and the need for security all are natural motives.
Ques 159. ANS (B) Solution:
'प्रक्षेपण' रक्षा तंत्र में हम अपने अवांछनीय गुणों को दूसरों के लिए जिम्मेदार मानते हैं क्योंकि प्रक्षेपण एक रक्षा तंत्र है जिसमें:
एक अपनी अप्रिय भावनाओं को दूसरों पर डालता है।
कोई अपने स्वयं के नकारात्मक लक्षणों को किसी और पर विस्थापित करता है।
कोई अन्य लोगों के लिए अपनी खुद की अवांछित विशेषताओं का श्रेय देता है।
इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'प्रक्षेपण' रक्षा तंत्र में हम अपने अवांछनीय गुणों का श्रेय दूसरों को देते हैं।

In 'projection' defense mechanism we attribute our undesirable qualities to others as projection is a defense mechanism in which:
one projects his own unpleasant feelings onto others.
one displaces his own negative traits onto someone else.
one attributes his own unwanted characteristics to other people.
Hence, it could be concluded that in 'projection' defense mechanism we attribute our undesirable qualities to others.
Ques 160. ANS (C) Solution:
सिद्धांतवादी बैकन के अनुसार किशोरावस्था पूर्ण रूप से एक सामाजिक घटना है।
किशोरावस्था में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो शारीरिक रूप से स्पष्ट नहीं होते हैं लेकिन उनके शरीर और मस्तिष्क में हो रहे सामाजिक परिवर्तनों के कारण निश्चित रूप से किशोरों के व्यवहार में परिवर्तन होते हैं।
ये परिवर्तन इस प्रकार हैं:
नियंत्रण को लेकर परिवार में विवाद।
अमूर्त चिंतन का विकास।
विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण।
यहाँ रिश्ते माता-पिता से साथियों की ओर उन्मुख होते हैं।
अतः, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि सिद्धांतवादी बैकन के अनुसार, किशोरावस्था पूर्ण रूप से एक सामाजिक घटना है।
According to the theorist Bakken, adolescence is a social incident as a whole.
In adolescence there are the changes which is not observable as physical but definitely the behavior of adolescents changes due to social changes happening in their body and mind.
These changes are as follows:
Conflict with family over control.
Development of abstract thinking
Attraction towards opposite gender
Relationships tend to be oriented from parents to peers.
Hence, we can conclude that according to the theorist Bakken, adolescence is a social incident as a whole.
Ques 161. ANS (A) Solution:
संगणक को स्वाभाविक कार्य करने में जो रुकावट उत्पन्न करता है उसे असफलता या बग कहते हैं। सॉफ्टवेयर बग किसी कम्प्यूटर प्रोग्राम या प्रणाली की ऐसी त्रुटि, दोष, गलती, विफलता या खोट को वर्णित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक आम शब्द है जो गलत और अप्रत्याशित परिणाम देता है या इसके अनपेक्षित तरीके से व्यवहार करने का कारण बनता है।
Anything that hinders a computer from performing its natural functions is called a failure or bug. Software bug is a general term used to describe an error, defect, mistake, failure, or fault in a computer program or system that produces incorrect and unexpected results or causes it to behave in an unexpected manner.
Ques 162. ANS (A) Solution:
श्यामपट्ट का प्रयोग दृश्य शिक्षण सहायक सामग्री के समूह में आता है। दृश्य सामग्री वे शिक्षण सहायक सामग्री होते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से दिखाई मात्र देते हैं जैसे– मॉडल, चार्ट, ग्राफ, मानचित्र, बुलेटिन बोर्ड, फ्लेनल बोर्ड, संग्रहालय, मैजिक लालटैन स्लाइडें वास्तविक पदार्थ तथा श्यामपट्ट आदि।
The use of blackboard comes in the group of visual teaching aids. Visual materials are those teaching aids which are directly visible such as models, charts, graphs, maps, bulletin boards, flannel boards, museums, magic lanterns, slides, real objects and blackboards etc.
Ques 163. ANS (B) Solution:
पूरक सामग्री शिक्षक की अनुदेशी सामग्री होती है। शिक्षक पूरक सामग्री के माध्यम से शिक्षण को प्रभावी बनाता है। पूरक सामग्री शिक्षण और अध्यापक दोनों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती है। पूरक सामग्री के अंतर्गत पुस्तक, शिक्षण सहायक सामग्री जैसे– श्यामपट्ट, ओवर हेड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर आदि। पूरक सामग्री के प्रयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से प्राप्त कर पाते हैं ओर उसका प्राप्त ज्ञान भी स्थायी होता है।
Supplementary material is the teacher's instructional material. The teacher makes teaching effective through supplementary material. Supplementary material serves as guidance for both teaching and the teacher. Supplementary material includes books, teaching aids like blackboard, over head projector, computer etc. The use of supplementary material helps the teacher in teaching. Besides this, students are also able to acquire knowledge of the subject effectively and the knowledge gained is also permanent.
Ques 164. ANS (A) Solution:
उपर्युक्त दिया गया प्रश्न समावेशन से सम्बन्धित है। समावेशन में विभिन्न तत्वों तथा भागों को क्रमबद्ध करके समग्र की रचना करना सम्मिलित होता है।
The question given above is related to inclusion.
Incorporation involves arranging different elements and parts to create a whole.
Ques 165. ANS (D) Solution:
ब्लूम के अनुक्रम में, कौशल संज्ञानात्मक डोमेन, प्रभावी डोमेन तथा मनोप्रेरणा डोमेन तीनों से जुड़ा है।
In Bloom's hierarchy, skills are related to the cognitive domain, affective domain and psychomotivational domain.
Ques 166. ANS (C) Solution:
एक शिक्षक बच्चों में सोच कौशल का बढ़ावा देने के लिए निम्न विधियों का उपयोग कर सकता है- (i) छात्रों को इस बात पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करना कि वे क्या कर सकते हैं जो प्रभावी हो और इनका नाम दिया जा सके। (ii) बच्चों के भावात्मक या व्यक्तित्व पहलुओं के साथ-साथ सोच के संज्ञानात्मक घटकों पर भी ध्यान देना चाहिए। (iii) शिक्षक को उन रणनीतियों का उपयोग करना चाहिए जो सोच, कौशल और विकास तीनों को बढ़ावा दे और विषय का ज्ञान बढ़ाये। (iv) शिक्षक को ऐसी समस्या को प्रस्तुत करना चाहिए जिससे विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच का विकास हो सके।
A teacher can use the following methods to promote thinking skills in children – (i) Encouraging students to reflect on what they can do that would be effective and name these. (ii) Along with the affective or personality aspects of children, attention should also be paid to the cognitive components of thinking. (iii) The teacher should use strategies that promote thinking, skills and development and increase subject knowledge. (iv) The teacher should present such a problem which can develop creative thinking in the students.
Ques 167. ANS (C) Solution:
जीवन कौशल को विकसित करने वाले 10 प्रमुख क्षेत्र हैं- (i) तनाव और भावनाओं के साथ मुकाबला (ii) रचनात्मक या सृजनात्मक सोच (iii) समस्या समाधान (iv) आत्म सम्मान (v) स्व जागरूकता (vi) प्रभावी संप्रेषण (vii) अंतर्वैयक्तिक सम्बन्ध (viii) परानुभूति (ix) संघर्ष समाधान (x)

समालोचनात्मक सोच अत: शर्म जीवन कौशल का विकास करने में सहायक नहीं होता है।
The 10 major areas to develop life skills are – (i) Coping with stress and emotions (ii) Creative thinking (iii) Problem solving (iv) Self-esteem (v) Self-awareness (vi) Effective communication (vii) Interpersonal Relationships (viii) Empathy (ix) Conflict Resolution (x) Critical Thinking
Therefore, shyness is not helpful in developing life skills.
Ques 168. ANS (A) Solution:
जीवन कौशल 3 श्रेणियां में विभाजित हैं- (1) सामाजिक कौशल (2) चिंतन कौशल (3) संवेदनात्मक कौशल
Life skills are divided into 3 categories - (1) Social skills (2) Thinking skills (3) Empathetic skills
Ques 169. ANS (B) Solution:
पियाजे के अनुसार, 14-15 वर्ष की आयु में संज्ञानात्मक विकास अपने शिखर पर होता है। 14-15 वर्ष का बालक औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में होता है। इस अवस्था तक पहुँचते-पहुँचते बच्चों का मस्तिष्क परिपक्व हो जाता है और चिंतन में क्रमबद्धता आने लगती है। इस अवस्था के बच्चों में विचार करने, तर्क करने, कल्पना करने, निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग आदि द्वारा उचित निष्कर्ष निकालने की क्षमता का विकास हो जाता है।
According to Piaget, cognitive development peaks at the age of 14-15 years. A child of 14-15 years is in the formal operational stage. By the time they reach this stage, children's brain becomes mature and their thinking starts becoming systematic. Children of this stage develop the ability to think, reason, imagine, draw appropriate conclusions through observation, testing, experiment etc.
Ques 170. ANS (C) Solution:
वाइगोत्सकी के अनुसार, लोगों ने अपने व्यवहार में दक्षता प्राप्त करने के लिए मनोवैज्ञानिक उपकरणोंं का भी निर्माण किया है।
According to Vygotsky, people have also created psychological tools to achieve efficiency in their behavior.
Ques 171. ANS (D) Solution:
बधिर बच्चे कक्षा में दूसरों के साथ बातचीत करने में और सूचनाओं को आपस में बाँटने में असमर्थता का सामना करते हैं। सामान्य बालकों की कक्षा में बधिर बच्चे वार्तालाप नहीं कर पाते और सूचनाएं भी सुन नहीं पाते जिससे उनमें नैराश्य की भावना उत्पन्न होने लगती है।
Deaf children face the inability to communicate and share information with others in the classroom. In the class of normal children, deaf children are not able to talk and are not able to listen to the information, due to which a feeling of despair starts arising in them.
Ques 172. ANS (D) Solution:
समूह के सदस्य परस्पर एक–दूसरे से अन्त: क्रिया करते है जिसके कारण समूह के सदस्यों के व्यवहार में परिवर्तन होते रहते है। विद्यार्थियों की समूह सक्रियता से निपटने के लिए यह कहा जा सकता है कि वे परिपक्व, अधीर व संवेदनशील और अच्छे या बुरे में अंतर कर पाने में सक्षम होते हैं। इसलिए कक्षा में सामूहिक गतिविधियों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। गतिविधियों पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।
Group members interact with each other due to which changes occur in the behavior of group members. To deal with group activism of students, it can be said that they are mature, impatient, sensitive and able to differentiate between good and bad. Therefore, special emphasis should be given to group activities in the class. Special emphasis should be given to activities.
Ques 173. ANS (A) Solution:
विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मनोवैज्ञानिक, शारीरिक या रचनात्मक संरचना या कार्य का कोई नुकसान या असामान्यता हानि कहलाता है। दूसरे शब्दों में, उपर्युक्त वर्णित किसी भी प्रकार की समस्या के लिए WHO ने 'हानि' शब्द का प्रयोग करने का सुझाव दिया है।
According to the World Health Organization, any loss or abnormality of psychological, physical or anatomical structure or function is called impairment. In other words, WHO has suggested using the term 'harm' for any of the types of problems mentioned above.
Ques 174. ANS (B) Solution:
छात्रों की सांस्कृतिक रूप से भिन्न आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आज की विविध मानक आधारित कक्षा में बहुसांस्कृतिक निर्देश महत्वपूर्ण है।
Multicultural instruction is important in today's diverse standards-based classroom to meet the needs of culturally diverse populations of students.
Ques 175. ANS (B) Solution:
जब बच्चा फेल होता है, तो इसका तात्पर्य है कि व्यवस्था फेल हुई है। बाल केन्द्रित शिक्षा में विद्यालय, शिक्षक, पाठ्यचर्या शिक्षण पद्धति, शिक्षण विधि आदि सभी कुछ बालक की योग्यता एवं क्षमता के अनुसार उनके अधिगम अनुभव को सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। यदि फिर भी बच्चा फेल होता है तो इसका तात्पर्य है कि व्यवस्था फेल हुई है अत: व्यवस्था में सुधार करने की आवश्यकता है।
When a child fails, it means the system has failed. In child-centred education, school, teacher, curriculum, teaching method, teaching method etc. all try to ensure the learning experience of the child according to his ability and capacity. If the child still fails, it means that the system has failed and hence there is a need to improve the system.
Ques 176. ANS (B) Solution:
यदि मिनाक्षी अपने वर्ग को मैदानी पर्यटन पर ले जाती है और वापस आने के बाद वह अपने विद्यार्थियों से चर्चा करती है। इसका अर्थ यह है कि वह शिक्षण के लिए आकलन कर रही है। सीखने के लिए आकलन में शिक्षक और छात्र को तुरन्त पुनर्निवेशन प्राप्त होता है इससे अधिगम में आयी कठिनाइयों को दूर किया जा सकता है तथा अधिगम प्रभावशाली होता है।
If Meenakshi takes her class on a field trip and after returning she discusses it with her students. This means that she is assessing for teaching. In assessment for learning, teacher and student get immediate feedback, due to this the difficulties in learning can be removed and learning becomes effective.
Ques 177. ANS (C) Solution:
पोर्टफोलियों मूल्यांकन के लिए बच्चों द्वारा पढ़ी गई कहानी की पुस्तकों की सूची, पत्तियों, वस्त्रों आदि के संग्रह व बच्चों की स्वत: मूल्यांकन सीट के नमूनों को काम में लिया जा सकता है। पोर्टफोलियों एक प्रकार की फाइल होती है जिसमें किसी व्यक्ति या बालक के जीवन के सभी क्षेत्रों का क्रमबद्ध जानकारी एकत्र करके रखी जाती है अर्थात् किसी बालक की क्या उपलब्धि है क्या कमियाँ हैं इन सभी की जानकारी पोर्टफोलियों में संचित रहती है।
For portfolio evaluation, list of story books read by children, collection of leaves, clothes etc. and samples of children's self-assessment sheet can be used. Portfolio is a type of file in which systematic information about all areas of a person's

or child's life is collected and kept, i.e. what are the achievements of a child and what are his shortcomings, all this information is stored in the portfolio.

Ques 178. ANS (D) Solution:

उपर्युक्त दिये गए चारों प्रकार के प्रश्नों के उत्तरों से बच्चें और शिक्षक, दोनों अपना-अपना स्व-आकलन करके अपने कार्यों में आई त्रुटियों को सुधार सकेंगे।

With the answers to the four types of questions given above, both children and teachers will be able to self-assess themselves and correct the errors in their work.

Ques 179. ANS (B) Solution:

यौन शिक्षा कार्यक्रमों को लेकर माता-पिता को यह आम डर रहता है कि यौन शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा उनके बच्चों को गलत जानकारी मिल जायेगी। इसलिए माता-पिता अपने बच्चों को यौन शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लेने के बारे में नहीं सोचते हैं।

There is a common fear among parents regarding sex education programs that their children will get wrong information through sex education programs. Therefore parents do not think about their children attending sex education programs.

Ques 180. ANS (C) Solution:

भारत में सामुदायिक विकास के लिए स्थापित बहुस्तरीय योजना ढाँचा में राष्ट्र सर्वोच्च होता है, जो संसाधनों के आवंटन में निष्पक्ष होता है और वह अपनी नीतियों के माध्यम से असमानता को दूर करता है।

In the multi-level planning framework established for community development in India, the nation is supreme, which is fair in allocation of resources and it eliminates inequality through its policies.

Ques 181. ANS (B) Solution:

साम्यवाद दर्शन का एक सम्प्रदाय है जो समूह के प्रदर्शन की प्रशंसा करता है और पुरस्कार देता है। साम्यवाद एक दर्शन है जो व्यक्ति और समुदाय के बीच संबंध पर जोर देता है। इसका अधिभावी दर्शन इस विश्वास पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान और व्यक्तित्व बड़े पैमाने पर सामुदायिक रिश्तों से ढल जाते हैं, जिसमें विकास का एक छोटा सा हिस्सा व्यक्तिवाद पर रखा जाता है।

Communism is a school of philosophy that praises and rewards group performance. Communism is a philosophy that emphasizes the relationship between the individual and the community. Its overriding philosophy is based on the belief that an individual's social identity and personality are largely molded by community relationships, with a small portion of development being placed on individualism.

Ques 182. ANS (C) Solution:

प्रकृति अध्यापन, बच्चों के साथ काम करने और प्रकृति के अनुकूल देखभाल और शिक्षा के लिए सेंटिंग बनाने का तरीका है। अर्थात् प्रकृति अध्यापन बच्चों को उनके वास्तविक वातावरण में उनकी प्रकृति के अनुसार शिक्षण पर बल देता है। यह एक प्रकार से स्वाभाविक प्रक्रिया द्वारा शिक्षण है जिसमें बालक के प्रकृति या स्वभाव को विकसित करने का प्रयास किया जाता है।

Nature pedagogy is a way of working with children and creating settings for nature-friendly care and education. That is, nature teaching emphasizes on teaching children according to their nature in their real environment. This is a kind of teaching through a natural process in which an attempt is made to develop the nature or temperament of the child.

Ques 183. ANS (A) Solution:

निश्चित समय में निर्दिष्ट किसी विषय की पाठवार विषयवस्तु की रूपरेखा को पाठ्यक्रम कहा जाता है पाठ्यक्रम के निश्चित होने से छात्रों को यह पता चल जाता है कि किसी कक्षा विशेष में उन्हें पूरे शिक्षण–सत्र के दौरान क्या–क्या पढ़ना व सीखना है। इससे छात्रों की योग्यता का मूल्यांकन एक निश्चित समय के पश्चात् किया जा सकता है।

The outline of lesson-wise content of a subject specified in a specific time is called curriculum. With the curriculum being fixed, students come to know what they have to read and learn during the entire teaching session in a particular class. With this, the ability of the students can be evaluated after a certain time.

Ques 184. ANS (D) Solution:

सीखने के वे अनुभव जो विद्यालय शिक्षण कार्यक्रम के दौरान अनियोजित ढंग से स्वत: आते हैं, अदृश्य पाठ्यक्रम कहलाते हैं। स्कूल के पाठ्यक्रम में अदृश्य सीखना, प्राकृतिक पर्यावरण और सामाजिक परिवेश के माध्यम से आता है। अदृश्य पाठ्यक्रम में छात्रों को मुख्य रूप से गैर–शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त होता है।

Those learning experiences which occur spontaneously in an unplanned manner during the school education program are called invisible curriculum. Learning, invisible in the school curriculum, comes through the natural environment and social environment. In the invisible curriculum, students receive mainly non-academic knowledge.

Ques 185. ANS (D) Solution:

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी पूरे सत्र के दौरान कभी-कभार ही समूह में मिलते है। इसमें पूरे सत्र के दौरान लगभग विद्यार्थी अनुपस्थित ही रहते है। इसमें व्यक्तिगत रूप से शिक्षण सामग्री, परामर्श, पाठ्य सामग्री आदि उपलब्ध कराये जाते है।

In open and distance education, learners meet in groups only occasionally throughout the semester. In this, almost students remain absent during the entire session. In this, individual teaching material, counselling, study material etc. are provided.

Ques 186. ANS (A) Solution:

शैक्षिक अवसरों की समानता, प्रतिभाओं की पहचान, कार्य अनुभव, राष्ट्रीय सेवा और विज्ञान शिक्षा तथा अनुसंधान की सिफारिशें NPE (National Policy on Education) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 द्वारा दी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में सभी को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने तथा छात्रों को समाज के लिए तैयार करने हेतु छात्रों को व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करने की योजनाओं को प्रमुख स्थान दिया गया है। इसके अन्तर्गत छात्रों को तकनीक शिक्षा एवं व्यवसायिक शिक्षा देने का प्रावधान रखा गया है।

Recommendations for equality of educational opportunities, identification of talents, work experience, national service and science education and research are given by the NPE (National Policy on Education) National Education Policy 1986. In the National Education Policy 1986, prominent place has been given to the schemes to provide equal opportunities for education to all and to provide vocational education to the students to prepare them for the society. Under this, a provision has been made to provide technical education and vocational education to the students.

Ques 187. ANS (C) Solution:

सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में ऐतिहासिक फिल्में एक विशेष सामाजिक संरचना के विभिन्न आयामों का सजीव चित्रण करने में उपयोगी होती है।

सामाजिक विज्ञान में कक्षा–कक्ष फिल्मों का शिक्षण–अधिगम सामग्री के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।
In the teaching of social sciences, historical films are useful in vividly depicting various dimensions of a particular social structure. Classroom films can be used as teaching-learning material in social sciences.
Ques 188. ANS (D) Solution:
S.st में सामाजिक अध्ययन मूल्यांकन के निम्न उद्देश्य है– ∎ शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार लाना। ∎ अध्यापक की प्रभावशीलता का पता लगाना। ∎ छात्रों के सामाजिक और ज्ञानार्जन के साथ–साथ रुचियों, कुशलताओं, व्यवहारों आदि में हुए परिवर्तनों का पता लगाना। ∎ विद्यार्थियों को अधिगम के लिए प्रेरित करना आदि।
The following are the objectives of social studies assessment in S.st. – To improve the teaching-learning processes. To find out the effectiveness of the teacher. To detect changes in students' social and cognitive learning as well as interests, skills, behaviours, etc. ▪ Motivating students for learning etc.
Ques 189. ANS (A) Solution:
छात्रों को कक्षा के बाहर पढ़ाने पर वे अपने आस–पास के पर्यावरण को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं तथा अपने स्कूली ज्ञान को बाहरी दुनिया से जोड़ पाते हैं। इसके साथ ही वे चीजों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करते हैं जिससे उनका ज्ञान स्थायी होता है।
By teaching students outside the classroom, they are able to better understand the environment around them and connect their school knowledge with the outside world. Along with this, they experience things directly due to which their knowledge becomes permanent.
Ques 190. ANS (D) Solution:
नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम- 2009, 6–14 साल के बच्चों पर लागू होता है। ध्यातव्य है कि दिव्यांग बच्चों के लिए 6–18 वर्ष की आयु तक मुफ्त शिक्षा के अधिकार की व्यवस्था की गयी है।
The Right to Free and Compulsory Education Act- 2009 applies to children aged 6–14 years. It is noteworthy that provision has been made for the right to free education for disabled children till the age of 6-18 years.
Ques 191. ANS (C) Solution:
एक अच्छे पर्यवेक्षक के प्रभाव से शिक्षार्थियों की प्रगति में वृद्धि होती है। सहयोग की भावना, नेतृत्व की क्षमता के विकास में सहायक, नवीन ज्ञान तथा अनुसंधान में सहायक, समस्या–समाधान हेतु अधिक जागृति में सहायक आदि अच्छे पर्यवेक्षक की विशेषता होती है।
The influence of a good supervisor enhances the progress of the learners. Spirit of cooperation, helpful in development of leadership ability, helpful in new knowledge and research, helpful in greater awareness for problem-solving etc. are the characteristics of a good supervisor.
Ques 192. ANS (C) Solution:
विद्यालयों को समाजीकरण के केन्द्र के रूप में इसलिए माना जाता है क्योंकि ये बच्चों को मुख्य रूप से समाज में अपनी भूमिका के प्रति सजग होने में सहायता करते हैं। आरम्भिक स्कूली शिक्षा, परिवार आदि के माध्यम से बालक समाज का सहभागी सदस्य बनने के बारे में बहुत कुछ सीखता है। यहीं से उसे सामाजिकता, आदर्श, नैतिकता, मूल्यों आदि का पालन करने की प्रेरणा मिलती हैं।
Schools are considered as centers of socialization because they mainly help children to become aware of their role in the society. Through early schooling, family etc. the child learns a lot about becoming a participating member of the society. From here he gets inspiration to follow social values, ideals, morality, values etc.
Ques 193. ANS (C) Solution:
परीक्षण–पुन: परीक्षण विधि– इसमें स्थायित्व स्थिरता का गुण होता है। ∎ विभाजन–आधा या अर्द्धविच्छेदी विधि– इसमें आंतरिक संगति का गुण होता है। ∎ KR20 या कूडर रिचर्डसन विधि– इसमें आंतरिक स्थायित्व/आंतरिक स्थिरता का गुण होता है। ∎ समान्तर रचना विधि– इस विधि के अंतर्गत दो समान्तर परीक्षणों की रचना की जाती है। ध्यातव्य है कि ये सभी विधियाँ परीक्षण की विश्वसनीयता बताती हैं।
Test-re-test method – It has the quality of stability and stability. ▪ Partition-by-half or semi-partition method – It has the property of internal consistency. ▪ KR20 or Cooder Richardson Method – It has the property of internal stability/consistency. ▪ Parallel design method – Under this method, two parallel tests are made. It is noteworthy that all these methods indicate the reliability of the test.
Ques 194. ANS (A) Solution:
यदि एक शिक्षिका किसी क्षेत्र विशेष के इतिहास के पाठ को पढ़ा रही है तो उसे विभिन्न काल अवधियों में समानताओं तथा परिवर्तनों पर प्रकाश डालना चाहिए साथ ही उसका वैश्विक संदर्भ से संबंध भी स्थापित करना चाहिए।
If a teacher is teaching a lesson on the history of a particular region, she should highlight the similarities and changes in different time periods and also establish its connection with the global context.
Ques 195. ANS (C) Solution:
S.St कक्षा–कक्ष में पक्षपात, भेदभाव और पूर्वाग्रहों को सामाजिक वास्तविकताओं के विभिन्न आयामों के बारे में परिचर्चा करके दूर किया जा सकता है।
Prejudice, discrimination and prejudice can be removed in the S.St classroom by discussing various dimensions of social realities.
Ques 196. ANS (C) Solution:
S.st में रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान किया जाता है। रचनात्मक मूल्यांकन के अंतर्गत शिक्षक, अपने शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण विधियों आदि की गुणवत्ता, प्रभावकारिता तथा उपयोगिता का आकलन इसलिए करता है ताकि वह शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि को और अधिक उत्तम, प्रभावशाली तथा उपयोगी बना सके।
Formative assessment in S.st is done during teaching learning process. Under formative evaluation, the teacher assesses the quality, effectiveness and usefulness of his educational programs, teaching methods etc. so that he can make the educational programs and teaching methods more better, effective and useful.
Ques 197. ANS (C) Solution:
शॉफर (कार चालक) जो कार को चलाने का काम करता है। अत: One who drives a motor–car को प्रतिस्थापित करने वाला शब्द chauffeur (ड्राइवर) है।
Chauffeur (car driver) who works to drive the car. Hence, the word to replace One who drives a motor–car is chauffeur.
Ques 198. ANS (A) Solution:
G-8 पर्यावरण मंत्री विज्ञप्ति (2001) यह वैश्विक मुद्दो के खिलाफ कुछ कार्यवाही करने के लिए आठ विकसित देशों की एक वार्षिक बैठक है।

यह एक अन्तर्राष्ट्रीय घोषणा या समझौता नहीं है जो बच्चों और पर्यावरण को जोड़ता है। अन्य अन्तर्राष्ट्रीय घोषणाएँ जो बच्चों और पर्यावरण को जोड़ती है। (1) जैविक विविधाता पर समझौता (1992)– यह विलुप्त हो रही प्रजातियों की सुरक्षा के लिए उचित रणनीति बनाने पर जोर देता है। (2) द हैबिटेट एजेंडा (1990)– यह मानव बस्तियों के मुद्दों को सम्बोधित करने और सभी को एक सुरक्षित और पर्याप्त आश्रय प्रदान करने के लिए एक एजेंडा है। (3) बाल अधिकार सम्मेलन (1989)– यह समानता, शांति और उन्हें स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और बढ़ावा देने के लिए एक समझौता है।

G-8 Environment Ministerial Communiqué (2001) It is an annual meeting of eight developed countries to take some action against global issues. It is not an international declaration or agreement that links children and the environment. Other international declarations that link children and the environment. (1) Convention on Biological Diversity (1992) – It emphasizes on making appropriate strategies for the protection of endangered species. (2) The Habitat Agenda (1990) – It is an agenda to address the issues of human settlements and provide a safe and adequate shelter to all. (3) Convention on the Rights of the Child (1989) – It is an agreement to protect and promote the rights of children to ensure equality, peace and freedom to them.

Ques 199. ANS (C) Solution:

सेवाकालीन शिक्षण-प्रशिक्षण में शिक्षकों की क्षमताओं और ज्ञान को विकसित करने और उसमें सुधार लाने के लिए सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन कक्षाएँ प्रदर्शनियाँ इत्यादि को डिजाइन किया गया है। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के पेशेवर क्षमताओं के विकास को ध्यान में रखते हुए सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रति वर्ष 20 दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रावधान किया गया है। सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों में चिंतन की प्रक्रिया का विकास करना और उनमें शैक्षिक विषय वस्तु की समझ विकसित करना है।

In-service teaching-training includes seminars, workshops, conferences, classes, exhibitions etc. designed to develop and improve the capabilities and knowledge of teachers. Keeping in mind the development of professional capabilities of teachers in the field of primary education, a provision of 20 days in-service teacher training program every year has been made under Sarva Shiksha Abhiyan. The objective of in-service teacher training is to develop the thinking process in teachers and to develop their understanding of educational subject matter.

Ques 200. ANS (C) Solution:

बौद्धिक संपदा को दुरुपयोग से बचाने हेतु कॉपीराइट का उपयोग किया जाता है। कॉपीराइट एक प्रकार का बौद्धिक सम्पदा का अधिकार है, जो उसके मूल लेखक या रचनाकार को प्राप्त होता है, भारत में कॉपीराइट अधिनियम 1957 लागू है। जिसके तहत कोई भी मूल रचनाकार अपनी रचना का कापीराइट करा सकता है।

Copyright is used to protect intellectual property from misuse. Copyright is a type of intellectual property right, which is received by its original author or creator, Copyright Act 1957 is applicable in India. Under which any original creator can get copyright of his creation.